1999-2000

संगीत नाटक अकादेमी

वार्षिक रिपोर्ट

SANGEET NATAK AKADEMI

ANNUAL REPORT

1999-2000

संगीत नाटक अकादेमी

वार्षिक रिपोर्ट

SANGEET NATAK AKADEMI
ANNUAL REPORT

संगीत नाटक अकादेमी, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली 110 001
दूरभाष : 3387246/47/48, 3382495
तार : नाटकाडेमी, फैक्स : 91-011-3385715
SANGEET NATAK AKADEMI, RABINDRA BHAVAN, FEROZE SHAH ROAD, NEW DELHI-110 001
PHONES : 3387246/47/48, 3382495
GRAMS : NATAKADEMI, FAX : 91-011-3385715

विषय-सूची

प्रबंधात्मक गठन □ 5

अकादेमी रत्नसदस्यता, पुरस्कार, 1998 □ 6

उत्सव एवं कार्यशालाएँ □ 7

पारंपरिक प्रदर्शनकारी कलाओं का संवर्धन और परिरक्षण □ 10

कुटियाट्टम तथा छऊ को समर्थन □ 10

अंतर-राज्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम □ 11

भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम □ 12

रत्नसदस्यों तथा पुरस्कार विजेताओं को वित्तीय सहायता □ 12

प्रकाशन □ 12

प्रलेखन एवं प्रसार □ 13

संग्रहालय □ 13

पुस्तकालय और श्रव्य/दृश्य लाइब्रेरी □ 14

अनुसंधानकर्ताओं को परियोजना अनुदान □ 14

बजट तथा लेखा □ 14

सांस्कृतिक संस्थाओं और व्यक्तियों को अनुदान □ 14

हिंदी का प्रगामी प्रयोग □ 14

रत्नसदस्यों और पुरस्कार विजेताओं के लिए मेडि-क्लेम ग्रुप पॉलिसी □ 14

स्मृति में □ 15

कथक केन्द्र, दिल्ली □ 16

जवाहरलाल नेहरु मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल □ 19

परिशिष्ट

परिशिष्ट-1 : संगीत नाटक अकादेमी : संगम ज्ञापन □ 21

परिशिष्ट-2 : संगीत नाटक अकादेमी की महापरिषद्, कार्यकारिणी मंडल तथा समितियां □ 22

परिशिष्ट-3 : बैठकें 1999-2000 □ 24

परिशिष्ट-4 : प्रमुख कार्यक्रमों की सूची □ 24

परिशिष्ट-5 : प्रकाशित पुस्तकों की सूची □ 25

परिशिष्ट-6 : दृश्य/श्रव्य रिकार्डिंग्स □ 26

परिशिष्ट-7 : वर्ष 1999-2000 के लिए सांस्कृतिक संस्थाओं को दिए गए अनुदान □ 34

परिशिष्ट-8 : वर्ष 1999-2000 के दौरान संस्वीकृत विवेकानुदान □ 44

परिशिष्ट-9 : वर्ष 1999-2000 के दौरान पुतुल दलों/संस्थाओं को स्वीकृत अनुदान □ 44

परिशिष्ट-10 : प्रदर्शन कलाओं के अनुसंधानकर्ताओं को प्रदत्त परियोजना अनुदान की योजना □ 44

परिशिष्ट-11 से 18 : लेखा-परीक्षित लेखा विवरण □ 100-147

प्रबन्धात्मक गठन

संगीत नाटक अकादेमी-संगीत, नृत्य और नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी की स्थापना वर्ष 1953 में भारत की प्रदर्शनकारी कलाओं को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए की गई थी। इस कार्य के लिए अकादेमी राज्यों की प्रतिस्थनी संगीत नाटक अकादेमियों और देश भर में फैले स्वैच्छिक संगठनों को सहयोग प्रदान करती है। प्रायोजना, अनुसंधान और प्रसार के द्वारा अकादेमी संगीत, नृत्य और नाटक के प्रति सामान्य जनों की अभिरूचि को बढ़ावा देती है और भारतीय प्रदर्शनकारी कलाओं की सर्वत्र श्रीवृद्धि के लिए विचारों और तकनीकों का तात्कालिक आदान-प्रदान करती है। अकादेमी के उद्देश्यों का और अधिक विस्तृत उल्लेख अकादेमी के संगम ज्ञापन (उद्धरण : परिशिष्ट-1) में किया गया है।

संगीत नाटक अकादेमी के अध्यक्ष के रूप में डॉ० भूपेन हजारिका की नियुक्ति 7 दिसंबर, 1998 को हुई, और अकादेमी की महापरिषद की बैठक 26 अप्रैल, 1999 को हुई, जिसमें महापरिषद में 20 सहयोजित सदस्यों को मनोनीत किया गया। पूर्ण रूप से गठित महापरिषद् की पहली बैठक 14 मई, 1999 को हुई, जिसमें प्रख्यात रंगकर्मी श्री श्यामानंद जालान को अकादेमी का उपाध्यक्ष चुना गया। 15 मई, 1999 को आयोजित कार्यकारिणी मंडल की बैठक में अकादेमी की वित्त समिति, अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, संगीत, नृत्य और रंगमंच, प्रलेखन एवं अभिलेखगार सलाहकार समितियों के साथ-साथ कथक केन्द्र, नई दिल्ली और जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल की सलाहकार समितियों का गठन किया गया। (महापरिषद कार्यकारिणी मंडल और अन्य समितियों के सदस्यों की सूची परिशिष्ट-2 में दी गई है।) श्री जयंत कस्तुआर ने 5 अगस्त, 1999 को अकादेमी के प्रधान कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव का कार्यभार संभाला, जिस पर पहले सुश्री शर्बरी मुखर्जी कार्यरत थीं और जिन्हें मई, 1999 में उपसचिव (संगीत) के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया था। सचिव और प्रधान कार्यकारी अधिकारी, श्री जयंत कस्तुआर की सहायता के लिए संगीत, नृत्य, नाटक, समन्वय, वित्त, प्रशासन, प्रकाशन, प्रलेखन, फिल्म के उप सचिवों के साथ अकादेमी का पुस्तकालयाध्यक्ष तथा कथक केंद्र और जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी के निदेशक शामिल हैं, जो अकादेमी की घटक इकाइयों के हैं। कथक केन्द्र, नई दिल्ली और जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल प्रशिक्षण संस्थाएँ हैं। इन दोनों संस्थाओं का प्रबंधन अकादेमी के कार्यकारिणी मंडल के हाथ में है और इस कार्य में उसकी सहायता करने के लिए इन दो घटक इकाइयों की सलाहकार समितियाँ बनी हुई हैं। इन संस्थाओं के क्रियाकलापों की रिपोर्ट प्रस्तुत रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान महापरिषद्, कार्यकारिणी मंडल और कार्यकारिणी मंडल द्वारा गठित विभिन्न समितियों (यथावित्त समिति, अनुदान समिति, प्रकाशन समिति) की बैठकें आयोजित की गईं। जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी और कथक केन्द्र की सलाहकार समितियों के साथ-साथ अन्य सलाहकार समितियों की बैठकें भी आयोजित की गई। इनका विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

अकादेमी रत्नसदस्यता और पुरस्कार 1998

अकादेमी की महापरिषद की बैठक मुंबई में 5 अक्तूबर, 1999 को हुई, जिसमें चार रत्नसदस्यों को चुना गया। अकादेमी ने वर्ष 1998 के लिए प्रदर्शनकारी कलाओं के क्षेत्र में 25 अन्य कलाकारों को भी अकादेमी पुरस्कार के लिए चुना।

रत्नसदस्यता और पुरस्कारों के लिए क्रमश: चालीस हजार रूपये और पच्चीस हजार रूपये, एक शाल और ताम्रपत्र सहित प्रदान किए जाते हैं। भारत के राष्ट्रपति श्री के. आर. नारायण ने 17 दिसंबर, 1999 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित मानप्रदान समारोह में ये सम्मान उक्त कलाकारों को प्रदान किए। रत्नसदस्यता से सम्मानित व्यक्तियों में गुरू के. पी. किटट्प्पा पिल्लै, पं. भीमसेन जोशी, पं. बिरजू महाराज और श्री विजय तेंदुलकर शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं में तेरह संगीतज्ञ, आठ नर्तक और छह रंगमंच कलाकार थे, जिनमें दो संयुक्त पुरस्कार-संगीत और नृत्य प्रत्येक में एक-शामिल हैं। वर्ष 1998 के रत्नसदस्यों और पुरस्कार विजेताओं की सूची निम्न प्रकार है :

रत्नसदस्यता
के. पी. किटट्प्पा पिल्लै
भीमसेन जोशी
बिरजू महाराज
विजय तेंदुलकर

पुरस्कार
संगीत
पुट्टाराज गवाईगलु
प्रवीण सुल्ताना खान
राजन मिश्रा एवं साजन मिश्रा
पंधारीनाथ गंगाधर नागेशवर
बी.व्वी.ऽ सुब्रामण्य रमण
कराईकुडी आरऽ मणि
रंगनायकी राजगोपालन
एम.ऽएस.ऽ अनंतरमण
विश्वमोहन भट्ट

नृत्य
लक्ष्मी विश्वनाथन
सुंदरलाल सत्यनारायण गंगानी
कोट्टक्कल शिवारमण
एन.ऽमाधवी देवी
जयराम राव और बनश्री राव (संयुक्त पुरस्कार)
शेमावति पवित्रण

रंगमंच
सौमित्र चटर्जी
अमाल अल्लाना
दुलाल राय
उषा गांगुली
बलवंत गार्गी

परंपरागत/लोक/जनजातीय संगीत/रंगमंच और पुतुलकला
प्रदीप चालिहा / सत्रिया (असम)
पूर्णचंद्र दास / बाउल (पश्चिम बंगाल)
गुलाम मोहम्मद सजनवाज़ / सुफियाना कलाम (जम्मू और कश्मीर)
नोकोट खियम / वाद्य-यंत्र बनाना (मेघालय)
कोलाहचरण साहू / पुतुलकला-रावण छाया (उड़ीसा)

मानप्रदान समारोह के पश्चात् चार दिवसीय उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें कुछेक पुरस्कृत कलाकारों ने भाग लिया। प्रदर्शन 17 से 20 दिसंबर, 1999 तक रवींद्रभवन, नई दिल्ली के मैदान और अभिमंच थिएटर, राष्ट्रीय नाट्य स्कूल, नई दिल्ली में आयोजित किए गए। एक विशेष प्रात:कालीन सत्र का आयोजन साहित्य अकादेमी हाल, नई दिल्ली में स्वर्गीय गुरू के. पी. किटट्प्पा पिल्लै को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए किया गया था।

गुरू के. पी. किटट्प्पा पिल्लै का निधन 30-10-99 को हो गया था। उनके पुत्र श्री केऽ चन्द्रशेखरन ने माननीय भारत के राष्ट्रपति से अपने स्वर्गीय पिता की ओर से रत्नसदस्यता प्राप्त की। कार्यक्रम निम्न प्रकार था :

रवींद्र भवन मैदान, नई दिल्ली
17 दिसंबर, 1999
कराईकुडि आर. मणि/मृदंगम
विश्वमहोन भट्ट/गिटार

18 दिसंबर, 1999
कलामंडलम क्षेमवती/मोहिनिआट्टम
लक्ष्मी विश्वनाथन/भरतनाट्यम
जयराम राव और बनश्री राव/कूचिपूड़ि

अभिमंच थिएटर, एन एस डी
18 दिसंबर, 1999
बेगम बर्वे' नाटक का मंचन, अमाल अल्लाना द्वारा निर्देशित

साहित्य अकादेमी सभागार
19 दिसंबर, 1999
स्वर्गीय गुरू के. पी. किटट्प्पा पिल्लै को श्रृद्धांजलि और उनके वीडियो उद्धरणों का प्रदर्शन। इसके बाद रंगनायकी राजगोपालन द्वारा वीणा वादन।

अभिमंच थिएटर, एन. एस. डी.
19 दिसंबर, 1999 (सांय)
'रुदाली' नाटक का मंचन, उषा गांगुली द्वारा निर्देशित

20 दिसंबर, 1999
'सरकारी इंस्पेक्टर' नाटक का मंचन, दुलाल राय द्वारा **निर्देशित**

उत्सव एवं कार्यशालाएँ

गणतंत्र दिवस समारोह

संगीत नाटक अकादेमी ने पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार को गणतंत्र दिवस परेड के अवसर पर एक विशेष रूप से तैयार नृत्य रचना "द ड्रम्स ऑफ इंडिया" प्रस्तुत करने में सहायता की। इस नृत्य रचना को गणतंत्र दिवस परेड के एक भाग के रूप में प्रख्यात संगीतकार और संगीत नाटक अकादेमी के पुरस्कार विजेता, श्री भास्कर चंद्रावरकर ने तैयार किया था।

नजरुल इस्लाम शताब्दी समारोह

अकादेमी ने संस्कृति विभाग, भारत सरकार की ओर से इंडिया इंटरनेशल सेंटर, नई दिल्ली में 25 मई, 1999 को संगीत कार्यक्रम-नजरुल गीति-प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्रीमती रेबासोम और श्रीमती मल्लिका बनर्जी ने नजरुल गीति गाई।

भारतीय भाषाओं में नाटककारों को सहायता

भारतीय भाषाओं में नाटककारों को सहायता योजना के अधीन पटियाला में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में 6 अगस्त, 1999 को उत्तरी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के सहयोग के साथ बीबीके डीएवी कालेज, अमृतसर के उर्वी सभागार में श्री प्रीत मोहिन्दर सेखों द्वारा लिखित और केवल धालीवाल द्वारा निर्देशित एवं अपने दल रंगमंच के साथ पंजाबी नाटक "ढोल सिपाही" प्रस्तुत किया गया। 7 अगस्त, 1999 को नाटक पर विचार-विमर्श इंडियन एकादेमी ऑफ फाइन आर्ट्स, अमृतसर के धर्म सिंह इंजीनियरी आडिटोरियम में किया गया था। कार्यशाला के भागीदारों और विशेषज्ञ समिति के सदस्यों को प्रदर्शन में आमंत्रित किया गया था और विचार-विमर्श क्रमश: 6 और 7 अगस्त को हुआ।

उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी और उत्कल संगीत महाविद्यालय के सहयोग से अकादेमी द्वारा उड़िया भाषा में नाटककार कार्यशाला भुवनेश्वर में 18-21 फरवरी, 2000 को आयोजित की गई थी।

असम सरकार के सहयोग से सत्रिया नृत्य परंपराओं पर संगोष्ठी-व-उत्सव

अकादेमी ने असम सरकार के सहयोग से गुवाहाटी में 18 से 20 जनवरी, 2000 तक सत्रिया नृत्य परंपराओं से संबंधित सेमिनार-व-उत्सव प्रस्तुत किया। इससे अकादेमी को असम में सत्राओं से संबद्ध नृत्य, संगीत और रंगमंच परंपराओं के विस्तृत अध्ययन का अवसर प्राप्त हुआ। अकादेमी ने सेमिनार और उत्सव की कार्यवाहियों का प्रलेखन भी किया।

उत्तर-पूर्व में गणतंत्र महोत्सव-गुवाहाटी, शिलांग और अगरतला

भारत गणतंत्र के 50वें वर्ष के अवसर पर संगीत नाटक अकादेमी ने कुछेक उत्तर-पूर्वी राज्यों के सहयोग से संगीत और नृत्य के प्रमुख उत्सव-गणतंत्र महोत्सव-गुवाहाटी, शिलांग और अगरतला में आयोजित किए।

गणतंत्र महोत्सव प्रदर्शनों और अन्य सांस्कृतिक समारोहों की श्रृंखला है, जिसे उत्तर-पूर्वी भारत के बहुत से राज्यों में आयोजित किया गया है और सर्वप्रथम यह 26 फरवरी, 2000 को गुवाहाटी में आयोजित किया गया। इस उत्सव में देश के विभिन्न भागों से बहुत से विख्यात कलाकारों ने भाग लिया। उत्सव का उद्घाटन गुवाहाटी में 26 फरवरी को महामहिम ले. ज. (सेवानिवृत) एस. के. सिन्हा, पीवीएसएम, असम के राज्यपाल द्वारा श्री प्रफुल्ल कुमार मोहंता, माननीय मुख्यमंत्री, असम, डॉ० भूपेन हजारिका, अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया था। शिलांग में आयोजित उत्सव का उद्घाटन महामहिम श्री एम. एम. जेकब, मेघालय के राज्यपाल द्वारा डॉ० भूपेन हजारिका, अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी और श्री पी. पी. कुन्दिया, माननीय संसद सदस्य की उपस्थिति में किया गया था।

त्रिपुरा में आयोजित उत्सव का उद्घाटन श्री एम० सरकार, माननीय मुख्यमंत्री, त्रिपुरा द्वारा श्री अनिल सरकार, माननीय शिक्षा मंत्री और श्री जितेंद्र चौधरी, माननीय सांस्कृतिक मामलों के मंत्री और श्री श्यामानंद जालान, उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रमों के साथ गणतंत्र महोत्सव का आयोजन इम्फाल (मणिपुर) और गंगटोक (सिक्किम) में भी जारी रहेगा।

पहली बार संगीत नाटक अकादेमी ने इस क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर समारोहों की श्रृंखला का आयोजन किया है। असम, मेघालय और त्रिपुरा के लोगों ने प्रदर्शनों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। (कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं)

26 फरवरी-2 मार्च
श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र सोसायटी, गुवाहाटी

शनिवार, 26 फरवरी
विष्णु प्रसन्ना और राजेन्द्र प्रसन्ना/शहनाई
केलूचरण माहपात्र/ओडिसी

राजा और राधा रेड्डी/कूचिपूड़ि
परवीन सुल्ताना और मो. दिलशाद खान/गायन

रविवार, 27 फरवरी
उमाकांत-रमाकांत गुण्डेचा/ध्रुपद
राजेश्वर पद्मानाभन/वीणा
किरण सेगल/ओडिसी
पद्मा सुब्रमण्यम/भरतनाट्यम

मंगलवार, 29 फरवरी
धनकांत बोरा और दल/सत्रिया
अजय चक्रवर्ती/गायन
सोनल मानसिंह/ओडिसी
कराईकुडी आर० मणि और दल/ताल-वाद्य कचरी
हरिप्रसाद चौरसिया/बाँसुरी

बुधवार, 1 मार्च (प्रातः)
जी० एस० राजन/बाँसुरी
मुरादअली और फतेह अली/सारंगी-सितार

(सांय)
शोवना नारायण/कथक
उर्मिला सत्यनारायणन/भरतनाट्यम
उमा शर्मा/कथक
अमजद अली खान/सरोद
अमान अली बंगश और अयान अली **बंगश के साथ**

बृहस्पतिवार, 2 मार्च
बारपेटा सत्र के कलाकार/सत्रिया
स्टेट कालेज ऑफ म्यूजिक, गुवाहाटी/सत्रिया
निर्देशन : रोशेश्वर साइकिया बारबयान
कलामंडलम लीलम्मा और कलामंडलम हेमावती/मोहिनीअट्टम
शशाधर आचार्य और दल/छऊ-सराइकेला
गीतांजलि लाल/कथक साथ में अभय मिश्रा, अभिमन्यु लाल और परवीन गंगानी

29 फरवरी - 2 मार्च 2000
स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी, शिलांग

मंगलवार, 29 फरवरी
शिलांग म्यूजिक कालेज द्वारा सरस्वती वंदना और खासियों के गीत और नृत्य और इसके बाद
उर्मिला सत्यनानायणन/भरतनाट्यम
किरण सेगल/ओडिसी
उमा शर्मा/कथक

बुधवार, 1 मार्च
गीतांजलि डांस अकादेमी, शिलांग द्वारा जैनतिया के गीत एवं नृत्य और सर्जनात्मक नृत्य और इसके पश्चात
मुराद अली और फतेह अली/सारंगी और सितार
कराईकुडि आर. मणि और दल/तालवाद्य कचेरी
कलांमंडलम लीलम्मा और कलामंडलम हेमवती /मोहिनिआट्टम
अभय मिश्रा, अभिमन्यु लाल, परवीन गंगानी / कथक

बृहस्पतिवार, 2 मार्च
जीवन राय मेमोरियल इंस्टीट्यूट, शिलांग द्वारा गारोस के गीत एवं नृत्य और सर्जनात्मक नृत्य और इसके पश्चात्
गरिमा हजारिका / सत्रिया
शशाधर आचार्य और दल / छऊ-सराइकेला
विद्युत मिश्रा / वायलिन

29 फरवरी - 3 मार्च, 2000
रबींद्र शतवार्षिकी भवन, अगरतला, त्रिपुरा

मंगलवार, 29 फरवरी
प्रतिभा प्रह्लाद/भरतनाट्यम
शर्मिला विश्वास और दल/ओडिसी
आशीष खान/ सरोद

बुधवार, 1 मार्च
भारती शिवाजी/मोहिनिआट्टम
शांता और वी. पी. धनंजयन/भरतनाट्यम
देबू चौधुरी और प्रतीक चौधुरी/सितार

वृहस्पतिवार, 2 मार्च
जोन्नल गड्डा अनुराधा और दल / कूचिपूड़ि
गंगाधर प्रधान और अरुणा मोहंती /ओडिसी
एम एस गोपालकृष्णन और नर्मदा गोपालकृष्णन **/कर्नाटक वायलिन**

शुक्रवार, 3 मार्च
राजेंद्र गंगानी /कथक
राजन-साजन मिश्रा /हिंदुस्तानी गायन
तालवाद्य कचेरी
उमायलपुरम शिवारमन/मृदंगम
हरिशंकर-कंजीरा
सुरेश-घटम
गोविंद चक्रवर्ती - तबला

क. भयंकर चक्रवात से प्रभावित उड़ीसा के कलाकारों की सहायता के लिए कार्यक्रम

पिछले वर्ष भयंकर चक्रवात से हुई तबाही के कारण उड़ीसा के कलाकारों को वित्तीय और नैतिक समर्थन प्रदान करने के लिए अकादेमी ने 16 से 20 मार्च, 2000 तक हैदराबाद में उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी और शिल्परमम, हैदराबाद के सहयोग से उड़ीसा की लोक और जनजातीय कलाओं के पांच दिवसीय उत्सव का आयोजन किया । इसमें भाग लेने वाले लगभग 300 कलाकारों का समर्थन प्रदान किया गया । इसके अलावा, ओडिसी और छऊ नृत्य दलों के प्रदर्शनों को नाट्यांजलि उत्सव, चिदम्बरम, दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केद्र उत्सव, तंजावुर और एक-अनेक उत्सव, बंगलौर में प्रायोजित किया गया था ।

भारतीय लोककला मंडल, उदयपुर में प्रदर्शन के लिए प्रह्लाद नाटक दल को भी प्रायोजित किया गया था ।

इसके अतिरिक्त, भुवनेश्वर में बहु-भाषी उत्सव में प्रदर्शनों के लिए दो रंगमंच दलों को भी वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। उपर्युक्त कार्यक्रमों में लगभग 10 लाख रुपए की राशि व्यय की गई।

ख. युवा रंगकर्मी कार्यशाला का आयोजन

श्री रतन थियम की देख-रेख में इम्फाल में 13 मार्च से 12

अप्रैल, 2000 तक कोरस रेपरटरी थिएटर में एक माह तक चलने वाली युवा रंगकर्मी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस आवासिक कार्यशाला में 25 रंगकर्मियों ने भाग लिया। सर्वश्री एम० के० रैना, जे० एन० कौशल, कनिष्क सेना, समिक बनर्जी, मनोज मित्रा, सचिन तिवारी जैसे विशेषज्ञों ने भागीदारों को व्याख्यान-निदर्शन प्रस्तुत किए । इन स्थानीय रंगकर्मियों के अलावा, श्री कन्हाई लाल, श्री प्रकाश सिंह, डा. एन० तोम्बी सिंह, श्री बीरजीत नानगौम्बा, श्री चौऊसमरेंद्र, प्रो० डी० दामोदर, श्रीमती एन. अमुसान देवी आदि विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया था । अकादेमी द्वारा कार्यशाला की समस्त कार्रवाई को वी एच एस फार्मेट पर रिकार्ड किया गया था । इम्फाल में आयोजित कार्यशाला पर कुल व्यय 5.7 रुपए लाख हुआ था ।

प्रायोजित कार्यक्रम

क) नंदीकार द्वारा राष्ट्रीय रंगमंच उत्सव

कलकत्ता में 16 से 25 दिसंबर, 1999 तक अकादेमी ऑफ फाइन आर्ट्स आडिटोरियम में नंदीकार द्वारा आयोजित 16वें राष्ट्रीय रंगमंच उत्सव, 1999 को अकादेमी ने समर्थन प्रदान किया । इस उत्सव में 13 दलों द्वारा 15 नाटकों का मंचन हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, कन्नड़ मणिपुरी और बंगाली में किया । बंगलादेश और यू एस ए ने भी भाग लिया। इस अवसर पर, नंदीकार ने बंगलादेश के पांच प्रख्यात रंगकर्मियों के साथ-साथ भारत के एक रंगकर्मी का भी अभिनंदन किया। इस अवसर पर नई सहस्त्राब्दि (न्यू मिलेनियम) पर सेमिनार का भी आयोजन किया । अकादेमी ने उत्सव की 50,000 रुपए का अनुदान देकर सहायता की और उसे उत्सव से संबंधित फोटोग्राफों का सेट और रिपोर्ट प्राप्त हो गई है।

ख) सहस्त्राब्दी में नया रंगमंच पर संगोष्ठी

अकादेमी ने भारतीय भाषा परिषद, कलकत्ता को कलकत्ता में 26 से 27 फरवरी, 2000 तक सहस्त्राब्दि में नया रंगमंच विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन करने के लिए सहायता प्रदान की । संगोष्ठी की कार्यवाहियों का प्रलेखन किया गया और संगोष्ठी की कार्यवाहियों पर एक मोनोग्राफ प्रकाशित किया जाएगा ।

ग) भुवनेश्वर में बहुभाषी नाटक उत्सव

अकादेमी ने शताब्दीरा कलाकार , भुवनेश्वर को भुवनेश्वर में 15 से 19 मार्च , 2000 तक पांच दिवसीय बहुभाषी नाटक उत्सव आयोजित करने के लिए सहायता प्रदान की ।

घ) महिला रंगकर्मियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

अकादेमी ने रंगकर्मी , कलकत्ता द्वारा नेहरु बाल संग्रहालय हॉल और अकादेमी आफ फाइन आर्ट्स में 24 से 26 मार्च, 2000 तक आयोजित महिला रंगकर्मियों का राष्ट्रीय सम्मेलन में समर्थन प्रदान किया । केतकी दत्ता , सावित्री हीसनम , श्रीमती शोभा सेन, श्रीमती साओली मित्रा, श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल और श्रीमती उषा गांगुली जैसी विख्यात महिला रंगमंच विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । अकादेमी ने इस सम्मेलन की कार्यवाहियों का प्रलेखन किया ।

पारंपरिक प्रदर्शनकारी कलाओं का संवर्धन एवं परिरक्षण

इस योजना के अधीन संगीत, नृत्य और नाट्यकला के उन रुपों में प्रशिक्षण के लिए सहायता प्रदान की जाती है, जो अब व्यापक रुप से व्यवहार में नहीं है । इस संबंध में अकादेमी शिक्षकों को मानदेय और प्रशिक्षणार्थियों को वजीफे देकर इन कला रुपों में उनकी रुचि सुनिश्चित करती है और परंपरागत प्रशिक्षण अधिगम प्रक्रिया के द्वारा उन्हें बनाए रखने का प्रयत्न करती है । प्रशिक्षण संबंधित विवरण नियमित रुप से प्राप्त होते रहते हैं ।

प्रशिक्षण के अतिरिक्त, इस योजना में परंपरागत कलाओं को अपना रहे परिवारों और घरानों के उन युवा कलाकारों को सहायता प्रदान करने की भी व्यवस्था है, जिन्हें अन्यथा सामान्य रुप से सहायता प्राप्त नहीं होती है ।

संगीत और नृत्य में विशेषीकृत प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय केन्द्रों की स्थापना

विशेषीकृत प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय केंद्रों की स्थापना की योजना के अंतर्गत अकादेमी ने कूटियाट्टम और सराईकेला, मयूरभंज और पुरूलिया के छऊ नृत्यों की उन कलात्मक परंपराओं के रुप में पहचान की है, जो अब लुप्त होती जा रही हैं । अकादेमी द्वारा विद्यमान प्रशिक्षण केन्द्रों के साथ-साथ नए केन्द्रों की स्थापना के लिए समर्थन दिया जा रहा है ।

कूटियाट्टम को समर्थन

अकादेमी, कूटियाट्टम के समर्थन कार्यक्रम के अधीन प्रशिक्षण और नियमित प्रदर्शनों के जरिए इस कला का व्यवस्थित रुप से प्रसार करने पर ध्यान दे रही है । वर्ष 1991 में शुरु किए गए कार्यक्रम के जरिए इरिंजालाकुड़ा में गुरु अम्मानूर चाचू चाक्यार स्मारक गुरुकुलम को गुरु अम्मानूर माधव चाक्यार (समर्थित शिक्षकों और प्रशिक्षणार्थियों के साथ) के अधीन प्रशिक्षण प्रयोजन के लिए समर्थन दिया जाता है और ''मार्गी'' त्रिवेंद्रम को साप्ताहिक प्रदर्शनों के आयोजन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है । गुरु पी॰ के॰ नारायणन नंम्बियार के अधीन मिषाव-वादन में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है, जिसमें बहुत से प्रशिक्षणार्थी हैं । परियोजना की समय-समय पर समीक्षा की जाती है ।

मयूरभंज के छऊ नृत्य को समर्थन

प्रोत्साहक रिपोर्टों के आधार पर बारीपदा ,रायरंगपुर, भुकुंडी और चित्रादा में नर्तकों के प्रशिक्षण के लिए वजीफे देना, मौहुरी और ढोल के छात्रों को वजीफे देना और संगीत के शिक्षकों, छात्रों तथा संगतकारों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम चलाना जारी रहा । परियोजना के छऊ के नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास का परिवेश बनाकर छऊ नृत्य की परंपरा को बनाए रखने और सुदृढ़ करने के अपने मुख्य लक्ष्य को अभूतपूर्व रुप में प्राप्त किया है। इस परियोजना की विभिन्न गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की समिति द्वारा जून,1998 में की गई थी, जिसने इस परियोजना के लिए सहायता को आगे और पॉच वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाने की सिफारिश की है ।

सराईकेला के छऊ नृत्य को समर्थन

सरायकेला के छऊ नृत्य को समर्थन योजना के अंतर्गत पश्चिम सिंहभूम के समस्त जिले का सर्वेक्षण विभिन्न गॉवों में युवा प्रशिक्षणार्थियों, शिक्षकों और संगीतज्ञों की पहचान करने के लिए किया गया था । नृत्य का प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरु लिंगराज आचार्य की देख-रेख में सराईकेला में जुलाई, 1998 में शुरु हुआ और नृत्य, ढोल ओर शहनाईवादन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रसार का समन्वय सरकारी छऊ नृत्य केद्र, सराईकेला द्वारा किया गया । इस परियोजना के अधीन गुरुओं और संगीतज्ञों को मासिक पारिश्रमिक दिया जाता है और चुनिन्दा प्रशिक्षणार्थियों को मासिक वजीफे प्रदान किए जाते हैं ।

अंतर-राज्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

यह कार्यक्रम प्रदर्शनकारी कलाकारों के दलों और अलग-अलग कलाकारों के पारम्परिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हमारी प्रदर्शनकारी कलाओं की परंपराओं के बारे में पूर्ण जागरुकता पैदा करता है । हालाँकि, इस कार्यक्रम को कार्यान्वित करने का दायित्व राज्य सरकारों और संघ राज्य-क्षेत्रों का है, अकादेमी आदान-प्रदान कार्यक्रम के बारे में संबंधित सरकारों को परामर्श देकर, प्रायोजित दौरों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने और उनमें समन्वय स्थापित करके निर्णायक भूमिका निभाती है ।

प्रत्येक वर्ष राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श करके आदान-प्रदान कार्यक्रम तैयार किया जाता है । राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रतिनिधियों का 23 वां सम्मेलन वर्ष 1999 में गोवा में आयोजित किया गया था ।

गोवा में 10 अप्रैल, 1999 को आयोजित वार्षिक सम्मेलन में हुए निर्णय के आधार पर वर्ष के दौरान 14 दौरे आयोजित किए गए। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किए गए दौरों का विवरण निम्न प्रकार है :

उत्तर प्रदेश के एक 26-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 3 से 10 अप्रैल, 99 तक तमिलनाडु का दौरा किया । प्रदर्शन : तिरुवरुर, तंजावुर, तिरुचिरापल्ली, पेरमबलूर, चैन्नई ।

महाराष्ट्र के एक सांस्कृतिक दल ने 29 नवंबर से 9 दिसंबर, 1999 तक अंडमान ओर निकोबार द्वीप समूह का दौरा किया ।

उत्तर प्रदेश के एक 25-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 13 से 25 दिसंबर, 1999 तक महाराष्ट्र का दौरा किया । प्रदर्शन : मुंबई, कोल्हापुर, औरंगाबाद, नासिक, जलगांव, नागपुर ।

सिक्किम के एक 32-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 17 से 24 दिसंबर, 1999 तक त्रिपुरा का दौरा किया । प्रदर्शन : ऊनोकोटी और पिल्लक ।

मिजोरम के एक 30-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 21 से 28 जनवरी, 2000 तक कर्नाटक का दौरा किया । प्रदर्शन : बंगलौर, मैसूर, हसन, कोलार, शिमोगा।

त्रिपुरा के एक 18-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 13 फरवरी से 1 मार्च 2000 तक तमिलनाडु का दौरा किया । प्रदर्शन : तंजावुर, कुंबकोनम, मनोरा, आर. आर. सभा, व्यापार मेला, आइलैंड, चैन्नई ।

तमिलनाडु के एक 18-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 7 से 19 फरवरी, 2000 तक हरियाणा का दौरा किया । प्रदर्शन : अम्बाला, करनाल, गुड़गॉव, फरीदाबाद (2) ।

राजस्थान के एक 25-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 7 से 15 मार्च, 2000 तक मध्य प्रदेश का दौरा किया । प्रदर्शन : मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना ।

पश्चिम बंगाल के एक सांस्कृतिक दल ने 9 से 18 मार्च,2000 तक आंध्र प्रदेश का दौरा किया ।. प्रदर्शन : रवीन्द्र भारती, शिल्पारमम, वनस्थलीपुरम, संगारेड्डी वारांगल ।

मध्य प्रदेश के एक 20-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 12 से 17 मार्च, 2000 तक राजस्थान का दौरा किया । प्रदर्शन : तिलोनिया, उदयपुर, भीलवाड़ा, बालोतरा, जोधपुर ।

मिजोरम के एक 37-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 25 मार्च से 3 अप्रैल, 2000 तक असम का दौरा किया । प्रदर्शन : प्रयाग ज्योति कलाकेंद्र, छाया-गांव नाट्य मंदिर, तरुण रामफुकन हॉल बारपेटा, रंगपीठ, जिला लाइब्रेरी-तेजपुर, बापूजी नाट्य मंदिर ।

हिमाचल प्रदेश के एक 30-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 26 मार्च से 8 अप्रैल,2000 तक गोवा का दौरा किया । प्रदर्शन : चोदान, सतेरी मंडप बिचोलिम, ओपन-एअर स्टेज सेनक्यूम, श्री मल्लिकारजुन देव मंडप, श्री दत्त मंदिर मंडप, टोरसे पर्ने, विद्या भवन हॉल मरगाव ।

गोवा के एक 25-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 27 मार्च से 5 अप्रैल, 2000 तक हिमाचल प्रदेश का दौरा किया । प्रदर्शन : बिलासपुर, सुंदरनगर, शिमला, बरमाना, मंडी, कुल्लू ।

तमिल नाडु के एक 18-सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने 31 मार्च से 9 अप्रैल, 2000 तक त्रिपुरा का दौरा किया । प्रदर्शन : धर्मनगर, कैलाश नगर, कमलपुर, उदयपुर, सोनामारु, अगरतला ।

भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का कार्यान्वयन अकादेमी द्वारा संस्कृति विभाग द्वारा किए गए निर्णयों के अनुसार किया जाता है । इसमें प्रमुख रुप से प्रदर्शनकारी कलाओं से संबंधित सूचना और पुरालेखी सामग्री, पुस्तकें, टेपों आदि का आदान-प्रदान सम्मिलित है।

रत्नसदस्यों तथा पुरस्कार विजेताओं को वित्तीय सहायता

रत्नसदस्यों तथा पुरस्कार विजेताओं को वित्तीय सहायता और उत्सवों आदि के लिए वित्तीय सहायता की योजना के अधीन अकादेमी पूरे भारत में आयोजित होने वाले उत्सवों में पुरस्कार विजेताओं को प्रायोजित करती है । निम्नलिखित पुरस्कार विजेताओं को प्रायोजित किया गया था :

श्री पूरनचंद बदाली और श्री प्यारेलाल वदाली को चंडीगढ़ में "विरासत", देहरादून द्वारा आयोजित उत्सव में प्रस्तुत किया गया था । दोनों पुरस्कार विजेताओं को 12,500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी ।

प्रकाशन

अकादेमी के प्रकाशन कार्यक्रम के अंतर्गत, जो वर्ष 1953 में अकादेमी की स्थापना के तुरंत बाद शुरु किया गया था, प्रदर्शनकारी कलाओं पर पुस्तकें तथा मोनोग्राफ, त्रैमासिक पत्रिका *संगीत नाटक* का प्रकाशन सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त संगीत, नृत्य और नाटक संबंधी प्रकाशनों के संवर्धन के लिए अकादेमी इनके लेखकों और प्रकाशकों को अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं की पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए अनुदान प्रदान करके मदद करती है। अकादेमी के प्रकाशनों की सूची परिशिष्ट-5 पर दी गई है ।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान "संगीत नाटक" के सं: 129-130 और 131-132 अंक निकाले गए ।

प्रदर्शनकारी कलाओं से संबंधित निम्नलिखित पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। श्रुति (40,000 रु.), नटरंग (15,000 रु.), सुद्रक (20,000 रु.), नाटक बुंद्रेती (15,000 रु.), बहुरूपी (20,000 रु.), सूत्रधार (10,000 रु.), जर्नल ऑफ दी इण्डियन म्यूजिकोलोजिकल सोसाइटी, बड़ौदा (20,000 रु.)।

इस अवधि के दौरान व्यक्तियों/संस्थाओं को पुस्तकों के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी : नृत्य गीत माला खंड-II राजी नारायण द्वारा (20,000 रु.); ग्वालियर घराने के आचार्य प्रतिनिधि पंडित राजा भैया पूछवाले स्वरंग दर्शन पंडित बाला साहब पूछवाले द्वारा (30,000 रु.); अनपब्लिशड रेपरटेयर ऑफ द तंजोर क्वार्टेट, म्यूजिक अकादेमी, चैन्नई द्वारा थिएटर एंड कम्यूनिटि, के. वी. सुब्न्ना द्वारा (10,000 रु.)।

प्रलेखन एवं प्रसार

गत वर्षों में संगीत नाटक अकादेमी ने प्रदर्शनकारी कलाओं पर श्रव्यटेपों, फोटोग्राफ और फिल्मों का एक बड़ा अभिलेखागार तैयार किया है। वर्ष 1981 से इसमें वीडियो टेपों को भी शामिल किया गया है। संगृहीत सामग्री का प्रचार श्रव्य-दृश्य को सुनने एवं देखने की व्यवस्था, संगीत के ध्वन्यांकन एवं पुनरांकन और फिल्म प्रोजेक्शन द्वारा की जाती है। प्रकाशनों, फिल्मों और दूरदर्शन के साथ-साथ भारत की प्रदर्शनकारी कलाओं के अनुसंधान कार्यों में अकादेमी के अभिलेखागार की सामग्री का व्यापक रूप से उपयोग किया गया।

वर्ष के दौरान अकादेमी के अभिलेखागार में 5378 श्वेत एवं श्याम और रंगीन फोटोग्राफ, 398 रंगीन स्लाइड्स, 31 घंटों की श्रव्य रिकार्डिंग और 276 घंटों की वीडियो रिकार्डिंग को जोड़ा गया है। अब अभिलेखागार में 1,26,436 फोटोग्राफ (रंगीन और श्वेत और श्याम), 36550 स्लाइड्स, 16,361 घंटों की श्रव्य रिकार्डिंग, 3586 घंटों की वीडियो रिकार्डिंग और लगभग एक लाख फीट से अधिक 16 एमएमः फिल्म सामग्री थी। इस अवधि में प्रलेखन और प्रसार की नियमित गतिविधियों के अलावा निम्नलिखित महत्वपूर्ण समारोहों की रिकार्डिंग अकादेमी के अभिलेखागार के लिए की गई थी :

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह का लोक और जनजातीय संगीत और नृत्य

अकादेमी के प्रलेखन दल ने पहली बार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह का 7 से 17 अप्रैल, 1999 को दौरा किया। वहाँ उसने निकोबारियों जरवाहों और शॉम्पेनों आदि की व्यापक ऑडियो-वीडियो और फोटोग्राफिक रिकार्डिंग की, जिसमें द्वीप की उत्तर से दक्षिण तक की अधिकांश जनजातियाँ शामिल हैं।

रामनगर की रामलीला वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

100 वर्षों से अधिक पुरानी रामनगर की रामलीला का प्रलेखन अकादेमी के प्रलेखन दल द्वारा अक्तूबर, 1999 में किया गया था। विभिन्न स्थानों और 31 दिनों तक प्रदर्शित रामायण की प्रत्येक घटना को रिकार्ड किया गया। रामलीला के प्रलेखन के लिए विशेष अनुमति काशी नरेश से प्राप्त की गई थी।

मेघालय का नोंगक्रेम उत्सव

19 से 24 अक्तूबर, 1999 तक स्मित, मेघालय में आयोजित खासियों के वार्षिक नोंगक्रेम उत्सव का प्रलेखन अकादेमी के प्रलेखन दल द्वारा किया गया ।

उपर्युक्त विशेष रिकार्डिंगों के अलावा असम, शिलांग और त्रिपुरा में अकादेमी द्वारा आयोजित गणतंत्र महोत्सवों की भी रिकार्डिंग की गई थी।

संग्रहालय

वर्ष 1953 में अपने स्थापना काल से ही अकादेमी प्रदर्शनकारी कलाओं से संबंधित वस्तुओं और कलाकृतियों का संग्रह करती आ रही है। प्राथमिक रूप में, इस संग्रह के आधार पर वर्ष 1964 में, जनता के लिए संगीत वाद्य-यंत्र गैलरी को रवीन्द्र भवन के भूतल पर खोला गया था। इसका उद्घाटन प्रख्यात वायलिन वादक येहूदी मेनूहिन द्वारा किया गया था। अत्यधिक रूप से सामग्री के संग्रहण का कार्य वर्ष 1968 में दिल्ली में आयोजित संगीत वाद्य यंत्रों की मुख्य प्रदर्शनी के समय से ही प्रारंभ हुआ। संग्रहालय में अब लगभग 1500 वास्तविक कलाकृतियाँ है और इसके अलावा अन्य संबंधित कलाकृतियाँ हैं। इनमें से ही संगीत वाद्ययंत्रों की दीर्घा में प्रतिनिधि स्थायी प्रदर्शन किया गया है। इस संग्रह में प्रदर्शनकलाओं से संबंधित संगीत वाद्य यंत्र, मुखौटे, पुतलियाँ, हेडगियर, पोशाकें और हस्तकृतियाँ जैसी सामग्री के अलावा कुछ संगीत वाद्य यंत्र हैं, जो अन्य देशों से उपहार के रूप में प्राप्त हुए हैं। संग्रहालय अनुसंधानकर्ताओं, छात्रों, संगीत शास्त्रियों, संगीतज्ञों आदि की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इस अवधि के दौरान, पश्चिमी खासी हिल्स, मेघालय के खासियों के 15 दुर्लभ जनजातीय संगीत वाद्य-यंत्रों को प्राप्त करके संग्रहालय में जोड़ा गया है। संग्रहालय की वस्तुओं का व्यवस्थित प्रलेखन कार्य पूरा कर लिया गया है। संग्रहालय को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक आए।

पुस्तकालय और श्रव्य/दृश्य लाइब्रेरी

पिछले कई वर्षों में अकादेमी के पुस्तकालय में प्रदर्शनकारी कलाओं पर पुस्तकों का एक विशिष्ट संग्रह किया गया है, इनमें से बहुत-सी पुस्तकें ऐसी हैं, जो या तो दुर्लभ हैं या अप्राप्त हैं। विशेष रूप से प्रदर्शनकारी कलाओं के छात्रों और अनुसंधानकर्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पुस्तकालय में देश-विदेश की लगभग 100 पत्र-पत्रिकाएं आती हैं। पुस्तकालय में अब उपहार-स्वरूप प्राप्त 578 पुस्तकों के अतिरिक्त कुल पुस्तकों की संख्या 21432 है।

श्रव्य/दृश्य लाइब्रेरी के संग्रह में अब 9,678 डिस्क, अकादेमी के अभिलेखागार से प्राप्त 763 प्री-रिकार्डिंग कैसेट, नृत्य, और संगीत के 85 वीडियो कैसेट, 1516 वाणिज्यिक ऑडियो कैसेट, 81 उपहार में प्राप्त ऑडियो कैसेट और भारतीय संगीत के 252 कम्पैक्ट डिस्क शामिल हैं।

अनुसंधानकर्ताओं को परियोजना अनुदान

वर्ष 1973 से अकादेमी भारत में प्रदर्शकारी कलाओं के अनुसंधान के लिए निधियाँ उपलब्ध कराती आ रही है। ये अनुदान, संगीत, नृत्य और रंगमंच में कार्यरत वैयक्तिक अनुंसधानकर्ताओं को दिए जाते हैं। वर्ष 1999-2000 के दौरान रुपए 1.60 लाख की राशि 8 अनुसंधानकर्ताओं को अनुदान के रूप में दी गई है (परिशिष्ट-9)।

सांस्कृतिक संस्थाओं और व्यक्तियों को अनुदान

अकादेमी अपने स्थापना काल से ही संगीत, नृत्य और नाटक संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती आ रही है। अनुदान समिति ने अपनी 30 और 31 अगस्त, 1999 की बैठक में समूचे देश की संस्थाओं से प्राप्त 431 आवेदन-पत्रों पर विचार करके 31.83 लाख रुपए की राशि 243 सांस्कृतिक संस्थाओं को (परिशिष्ट-7) और रुपये 1.01 लाख रुपए की राशि 8 पुतुल दलों को संस्वीकृत की। ये अनुदान विभिन्न प्रयोजनों के लिए दिए गए थे, जिनमें प्रशिक्षण, प्रस्तुतियाँ और तकनीकी उपकरणों की खरीद आदि शामिल हैं। अध्यक्ष के विवेकानुदान से 1,35,000 रुपए की राशि मंजूर की गई (परिशिष्ट-8)। पुतुल कला से संबंधित संस्थाओं को मंजूर की गई अनुदान राशि का विवरण परिशिष्ट-9 में दिया गया है। जिन संस्थाओं ने संगीत और नृत्य समारोह तथा संगोष्ठी एवं कार्यशाला आयोजित करने के लिए अनुदान प्राप्त किया है, उनकी सूची परिशिष्ट-10 में दी गई है।

बजट तथा लेखा

अकादेमी को अपनी गतिविधियों पर होने वाले व्यय को पूरा करने के लिए भारत सरकार के संस्कृति विभाग से सहायता अनुदान प्राप्त होता है। वित्त वर्ष 1999-2000 में योजनेतर और योजनागत व्यय के लिए अकादेमी का बजट इस प्रकार था :

	बजट अनुमान 1999-2000 (रुपये लाखों में)	संशोधित अनुमान 1999-2000 (रुपये लाखों में)
योजनागत	430.05	470.25
योजनेतर	285.20	380.20

वार्षिक लेखाओं का समेकित विवरण, जिसमें प्राप्ति और अदायगी लेखा, आय तथा व्यय लेखा और संगीत नाटक अकादेमी एवं इसकी घटक इकाइयों जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल, कथक केंन्द्र, दिल्ली और रवींद्र रंगशाला, दिल्ली के 1999-2000 के तुलन-पत्र सम्मिलित हैं, परिशिष्ट 11 से 14 में दिया गया है।

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग

अकादेमी में राजभाषा नीति के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। वर्ष 1993 में स्थापित हिंदी सैल द्वारा इस कार्य की देखभाल की जाती है। राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित अंतरालों पर हुई।

अकादेमी के स्टाफ में हिंदी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्‌देश्य से अकादेमी ने 14 से 28 सितंबर, 1999 तक 'हिंदी पखवाड़ा' मनाया। स्टाफ के लिए हिन्दी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई थीं। विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

रत्नसदस्यों और पुरस्कार विजेताओं के लिए ग्रुप मेडिक्लेम इंश्योरेंस पॉलिसी

अकादेमी ने वर्ष 1992 में अपने रत्नसदस्यों और पुरस्कार विजेताओं के लिए ग्रुप मेडिक्लेम इंश्योरेंस पॉलिसी शुरू की है। इस योजना के अधीन आने वाले रत्नसदस्यों और पुरस्कार विजेताओं को मेडिक्लेम इंश्योरेंस के लिए एक लाख रुपए तक और दुर्घटना (एक्सीडेंट) इंश्योरेंस के लिए 1.5 लाख रुपए तक का प्रावधान है।

स्मृति में

आलोच्य वर्ष के दौरान, पूर्व के वर्षों में अकादेमी द्वारा रत्नसदस्यता और पुरस्कारों से सम्मानित कलाकारों सहित प्रदर्शन कलाओं के अनेक प्रख्यात कलाकारों का देहावसान हो गया। संगीत नाटक अकादेमी ने उन महान कलाकारों के निधन पर शोक प्रकट किया।

नागस्वरम् वादक **शेख चिन्ना मौलाना** का देहावसान 13 अप्रैल, 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1976 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

मोहिनिआट्टम नर्तकी **के.ऽकल्याणीकुट्टी अम्मा** का देहावसान 12 मई, 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1978 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

लोक संगीत के लिए अकादेमी द्वारा पुरस्कृत **आसा सिंह मस्ताना** का देहावसान 23 मई, 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1986 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

शहनाई वादक **रघुनाथ प्रसन्ना** का देहावसान 9 जून, 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1996 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पारसी रंगमंच के प्रख्यात कलाकार **फिदा हुसैन** का देहावसान 10 जुलाई 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1985 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

भरतनाट्यम प्रतिपादक **के. पी. किटट्प्पा पिल्लै** का देहावसान 30 अक्तूबर, 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1974 में अकादेमी पुरस्कार से और वर्ष 1999 में मरणोपरांत रत्नसदस्यता से सम्मानित किया गया था।

विशिष्ट सारंगी वादक **हनुमान प्रसाद मिश्रा** का देहावसान 28 नवंबर, 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1988 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

रबींद्र संगीत के प्रख्यात प्रतिपादक **शांतिदेव घोष** का देहावसान 1 दिसंबर, 1999 को हुआ। आपको वर्ष 1976 में संगीत नाटक अकादेमी की रत्नसदस्यता से सम्मानित किया गया था।

मणिपुरी नृत्य के वरिष्ठ कलाकार **गुरू बिपिन सिंह** का देहावसान 9 जनवरी, 2000 को हुआ। आपको वर्ष 1965 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

विचित्र वीणा वादक **अहमद रजा खान** का देहावसान 10 जनवरी, 2000 को हुआ। आपको वर्ष 1995 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रख्यात तबला वादक **उस्ताद अल्ला रकखा** का देहावसान 3 फरवरी, 2000 को हुआ। आपको वर्ष 1982 में अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

कथक केंद्र, दिल्ली

संगीत नाटक अकादेमी की एक घटक इकाई कथक केंद्र देश की एक अग्रणी नृत्य-शिक्षण संस्था है। वर्ष 1964 में स्थापित इस संस्था में कथक नृत्य और उससे संबद्ध विषयों, जैसे गायन और पखावज के बहुत से पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। प्रारम्भिक पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं : 7-16 आयु वर्ग के छात्रों के लिए नृत्य में (अंशकालिक) पांच वर्षीय बुनियादी पाठ्यक्रम और 13-22 आयु वर्ग के छात्रों के लिए (अंशकालिक) तीन वर्षीय डिप्लोमा (पास) पाठ्यक्रम। नृत्य में उच्च पूर्णकालिक पाठ्यक्रम हैं-3 वर्षीय डिप्लोमा (आनर्स) पाठ्यक्रम (16-24 आयु वर्ग के लिए) और दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम (19-26 आयु वर्ग के लिए)। हिन्दुस्तानी गायन और पखावज वादन में तीन वर्षीय पोस्ट विशेष पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। नृत्य शिक्षकों और केंद्र के उन छात्रों के लिए, जिन्होंने डिप्लोमा (आनर्स) या पोस्ट-डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरे कर लिए हैं और कथक शिक्षण कार्य करना चाहते हैं, एक वर्ष का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

कथक केन्द्र में एक प्रस्तुति एकक भी है, जिसका उद्देश्य प्रयोगात्मक कार्य के माध्यम से कथक के रंगपटल और तकनीक को समृद्ध करना है। केंद्र में जिन विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है, उनके लिए प्रतिष्ठित शिक्षकों की सेवाएं उपलब्ध हैं। कथक केंद्र का प्रबंध संगीत नाटक अकादेमी के कार्यकारिणी मंडल में निहित है, जिसे कथक केंद्र के लिए सलाहकार समिति सहायता प्रदान करती है। सलाहकार समिति का अध्यक्ष संगीत नाटक अकादेमी का उपाध्यक्ष होता है।

केंद्र-सेवा संगठन के रूप में

देश के भीतर और बाहर प्रदर्शनों और शिक्षण आदि के लिए अन्य संस्थाओं को अपने प्रतिभावान नर्तकों, शिक्षकों आदि को भेजकर कथक केंद्र ने एक महत्वपूर्ण सेवा प्रदान करना जारी रखा।

प्रस्तुति एकक

कथक केंद्र का प्रस्तुति एकक कथक नृत्य और संगीत का सुप्रसिद्ध रंगपटल है। इस एकक ने कथक नृत्य शैली के रंगपटल के विस्तार में योगदान किया है।

उत्सव

वर्ष 1999-2000 के दौरान निम्न उत्सव और कार्यक्रम आयोजित किए गए :

दीक्षांतोत्सव

वार्षिक परीक्षा के एक भाग के रूप में दीक्षांतोत्सव का आयोजन त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली के ऑडिटोरियम में 8 से 13 मई, 1999 तक किया गया था, जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के 29 छात्रों ने प्रदर्शन किए। इस कार्यक्रम से केंद्र के छात्रों के एकल प्रदर्शनकर्ता के रूप में उनकी योग्यता का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है।

नृत्य प्रतिभा, नई दिल्ली

केंद्र ने 27 से 31 अक्तूबर, 1999 तक कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में "नृत्य प्रतिभा" उत्सव प्रस्तुत किया। इस उत्सव के आयोजन का उद्देश्य 30 वर्ष की आयु से कम उन युवा नर्तकों का संवर्धन करना था, जिन्होंने नृत्य कला को एक पेशे के रूप में अपना लिया है और साथ ही कथक नृत्य के क्षेत्र में गुरुओं/संस्थाओं द्वारा किए गए कार्य का मूल्यांकन करना था।

विचार-विमर्श सत्र, नई दिल्ली

उत्सव के साथ-साथ केंद्र ने 28 से 30 अक्तूबर, 1999 को त्रिवेणी चेम्बर थिएटर, नई दिल्ली में, 31 अक्तूबर, 1999 को कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में और पुनः 1 नवंबर, 1999 को त्रिवेणी चेम्बर थिएटर, नई दिल्ली में गुरूओं और भागीदारों के साथ विचार-विमर्श सत्रों का आयोजन भी किया। इस विचार-विमर्श संत्रों में गुरूओं ने अपने कार्य, प्रशिक्षण प्रणाली अपने छात्रों के कलात्मक गुणों के बारे में बातचीत व्याख्यान-निदर्शन के साथ की।

छात्र उत्सव श्रृंखला

केंद्र ने 27 से 30 सितंबर, 1999 तक कथक केंद्र के पूर्व छात्रों के एकल-नृत्य प्रदर्शनों का आयोजन किया। इनका आयोजन त्रिवेणी चेम्बर थिएटर, नई दिल्ली में किया गया था। केंद्र ने कृष्ण गण सभा द्वारा आयोजित सम्मेलन के अवसर पर चैन्नई में 20 दिसंबर, 1999 को अपने छात्रों द्वारा प्रदर्शन का आयोजन किया।

व्याख्यान-निदर्शन

श्रीमती गीतांजलि लाल और श्रीकृष्ण मोहन ने भी 21-12-1999 को चैन्नई में जयपुर और लखनऊ घराने के तुलनात्मक अध्ययन को प्रस्तुत किया। विख्यात नृत्य विद्वान और अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित डॉ॰ सुनील कोठारी ने व्याखान-निदर्शन का संचालन किया।

कथक महोत्सव

केंद्र का वार्षिक समारोह "कथक महोत्सव" प्रत्येक वर्ष लखनऊ के महान कथक आचार्य महाराज कालका बिंदादीन की याद में मनाया जाता है। इस वर्ष कथक महोत्सव पहली बार

कलकत्ता में, 30 मार्च से 2 अप्रैल, 2000 तक संस्कृति सागर, कलकत्ता के सहयोग से मुख्य रूप से इसलिए आयोजित किया गया था ताकि प्रख्यात नृत्य रचनाकारों और साथ ही कुछ युवा नृत्य रचनाकारों की कथक में नवीन प्रक्रियात्मक समकालीन रचनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

वार्षिक परीक्षा

केंद्र ने शैक्षिक सत्र 1998-99 के लिए 2 से 15 मई, 1999 तक अपनी वार्षिक परीक्षाओं का संचालन किया। 151 छात्रों में से 140 छात्रों को सफल घोषित किया गया। शैक्षिक सत्र 1999-2000 के लिए अर्द्ध-वार्षिक परीक्षाएं 3 से 12 जनवरी, 2000 तक संचालित की गई।

नए प्रवेश

इस वर्ष शैक्षिक-सत्र (1999-2000) 16 जुलाई, 1999 से शुरू हुआ और विभिन्न पाठ्यक्रमों में 84 प्रशिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। पांच वर्षीय बुनियादी पाठ्यक्रम में (25), तीन वर्षीय डिप्लोमा पास पाठ्यक्रम में (18), तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम (आनर्स) में (19), दो वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम में (5), प्राक् प्रवेश पाठ्यक्रम में (7)।

प्रायोजित कार्यक्रम

वर्ष 1999-2000 के दौरान केंद्र के नृत्य दल को बहुत-सी संस्थाओं द्वारा देश और विदेश में कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

केंद्र का एक नृत्य दल "अप्रैल स्प्रिंग फ्रैंडशिप आर्ट फेस्टिबल", के अवसर पर 10-18 अप्रैल, 1999 को उत्तर कोरिया में कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा प्रायोजित किया गया था। कथक केन्द्र की गुरू श्रीमती गीतांजलि लाल के नेतृत्व में 10 नर्तकों वाले दल ने देश के भिन्न भागों में विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कोरियावासियों ने कार्यक्रमों की अत्यधिक सराहना की।

कला अकादेमी, गोवा ने केंद्र को 30 मई, 2000 को गोवा के राज्यपद दिवस के अवसर पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निमंत्रण पर केन्द्र ने 20 अगस्त 1999 को टैगोर हाल, आजाद भवन, नई दिल्ली में एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, वाराणसी के निमंत्रण पर केन्द्र ने सारनाथ में बौध महोत्सव के अवसर पर वाराणसी में 2 नवंबर, 1999 को एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। श्रीमती गीतांजलि लाल के नेतृत्व में कथक केन्द्र के नृत्य दल के कार्यक्रम की दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

श्री कृष्ण गण सभा, चैन्नई ने 20 दिसंबर, 1999 को 44वें कला और पोंगल नृत्य उत्सव के अवसर पर केद्र को चैन्नई में कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। श्रीमती गीतांजलि लाल के नेतृत्व में गए दल द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की चैन्नई दर्शकों ने अत्यधिक सराहना की। श्रीमती लाल ने 21 दिसम्बर, 1999 को कथक पर व्याख्यान-निदर्शन भी प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय नाट्य स्कूल, दिल्ली ने नव वर्ष 3 जनवरी, 2000 को मनाया। केन्द्र के कुछ छात्रों ने इस अवसर पर इसमें सक्रिय भाग लेकर कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

वार्षिक उत्सव "कथक समारोह" के अवसर पर जयपुर कथक केंद्र ने जयपुर में 5 जनवरी, 2000 को कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए कथक केद्र से अनुरोध किया। केन्द्र ने श्रीमती गीतांजलि लाल के नेतृत्व में नर्तकों का एक दल कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए भेजा। केंद्र द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की जयपुर दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

राजस्थान संगीत नाटक अकादेमी के "स्वर्ण जयंती उत्सव" के अवसर पर केंद्र ने अपना नर्तकों का दल श्री मुन्ना शुक्ला के नेतृत्व में जोधपरु में 27 फरवरी, 2000 को कार्यक्रम प्रस्तुत

करने के लिए भेजा।

श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद, अध्यक्ष, प्रसिद्ध फाउंडेशन, बंगलौर ने केंद्र से बंगलौर में महाशिवरात्रि की रात में "एक अनेक" के अवसर पर और शिल्पग्राम, हैदराबाद में "आल इंडिया आर्ट्स एंड क्राफ्टस फेस्टिवल" में दल भेजने के लिए अनुरोध किया। केंद्र ने श्रीमती गीतांजलि लाल के नेतृत्व में 14 सदस्यीय दल उत्सवों में क्रमश: 4 और 6 मार्च, 2000 को भाग लेने के लिए भेजा।

28 जनवरी, 2000 को, प्रख्यात स्पेनिश नर्तकी और नृत्य रचनाकार, श्रीमती वायलेटा रियूज़ द्वारा कथक हाल में मास्टर लेसन प्रस्तुत किए गए थे। केंद्र के सभी वरिष्ठ छात्रों ने इन लेसनों में भाग लिया।

पदातिक डांस सेंटर, कलकत्ता द्वारा कथक केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से 15 जनवरी, 2000 से आगे एक सप्ताह के लिए कथक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कथक गुरू श्री राजेंद्र गंगानी ने पदातिक डांस सेंटर, कलकत्ता में इस कार्यशाला का संचालन किया।

महामहिम श्री वीरेन जे. शाह, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के निमंत्रण पर केंद्र ने, महामहिम श्री बुलेंत एसीविट, तुर्की के माननीय प्रधान-मंत्री और श्रीमती रोशन एसीविट के सम्मान में 1.4.2000 को राजभवन में श्रीमती गीतांजलि लाल और श्री कृष्ण मोहन द्वारा एक छोटी नृत्य प्रस्तुति पेश की थी। महामहिम तुर्की के प्रधान मंत्री, श्रीमती एसीवेट और अन्य प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी संगीत नाटक अकादेमी की एक घटक इकाई है, जिसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा जनवरी, 1954 में मणिपुर नृत्य कालेज के रूप में की गई थी। इस संस्था को वर्ष 1957 तक संगीत नाटक अकादेमी से वित्तीय सहायता प्राप्त होती रही। इसी वर्ष से यह संगीत नाटक अकादेमी का एक भाग बन गई और इसका नाम बदलकर जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी रखा गया। जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी की एक सलाहकार समिति है, जिसकी अध्यक्षता (पदेन) मणिपुर के राज्यपाल करते हैं। यह समिति इस संस्था के कार्यक्रमों और योजनाओं को तैयार करती है। परामर्श देने और सिफारिशें करने वाली यह सलाहकार समिति जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी के प्रबंध में अकादेमी के कार्यकारिणी मंडल की सहायता करती है।

देश में मणिपुर नृत्य में शिक्षण देने वाली अग्रणी संस्था के रूप में जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी मणिपुर नृत्य, संगीत और लाई हरोबा तथा थांग-टा जैसे संबद्ध विषयों के बहुत से व्यापक पाठ्यक्रम चलाती है। इन पाठ्यक्रमों को व्यावसायिक कलाकारों के लिए बुनियादी पाठ्यक्रमों के रूप में तैयार किया गया है। इस संस्था में लब्धप्रतिष्ठ शिक्षक कार्यरत हैं। इसमें एक प्रस्तुति एकक भी है।

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रम निम्न प्रकार हैं : 10-14 आयु वर्ग के छात्रों के लिए तीन वर्षीय बुनियादी पाठ्यक्रम (अंशकालिक); 14-18 आयु वर्ग के छात्रों के लिए तीन वर्षीय पूर्णकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम और तीन वर्षीय पोस्ट-डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंशकालिक)। बुनियादी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में नृत्य और संकीर्तन का प्रशिक्षण दिया जाता है। पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम लाई हरोबा, नट इशाई, नट चोलम, नट पुंग और रास में विशेषज्ञता प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित उत्सव/कार्यक्रम आयोजित किए गए:

अकादेमी का स्थापना दिवस

अकादेमी के स्थापना दिवस का आयोजन अकादेमी के ऑडिटोरियम में अप्रैल, 1999 को किया गया था।

महामहिम मणिपुर के राज्यपाल श्री ओ. एन. श्रीवास्तव और प्रो. ई. नीलकंठ सिंह ने क्रमशः प्रमुख अतिथि और अध्यक्ष के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। वर्ष 1997 और 1998 में अकादेमी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रथम आने वाले स्वर्ण-पदक विजेताओं के एकल नृत्य और संगीत प्रदर्शन और छात्रों के परंपरागत मणिपुरी नृत्य और संगीत के प्रदर्शन इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण थे।

इस कार्यक्रम में प्रख्यात नर्तक और कलाकार तथा छात्रों के अभिभावकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मीडिया द्वारा पर्याप्त प्रचार किया गया।

रंगोली बिहू उत्सव, सिल्चर

अकादेमी के एक 15 सदस्यीय दल ने रंगोली बिहू सम्मिलन समिति द्वारा 8-9 मई, 1999 को सिल्चर में आयोजित 2 दिवसीय रंगोली बिहू उत्सव में लाई-हरोबा, यौद्विक संगीत प्रस्तुत किया। प्रदर्शनों की व्यापक रूप से सराहना की गई।

वाइनू-पारेंग (नृत्य-नाटिका) की प्रस्तुति

प्रो. रमाकांत रथ, अध्यक्ष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली के सम्मान में अकादेमी ने अपनी नवीनतम् नृत्य नाटिका 'वाइनू-पारेंग' 2 मई, 1999 को अकादेमी ऑडिटोरियम में प्रस्तुत की। वे मणिपुरी के महान साहित्यकार और अकादेमी के पूर्व उपाध्यक्ष पंडित एन. खेलचंद्र सिंह को रत्नसदस्य पुरस्कार प्रदान करने के अवसर पर मणिपुर आए थे।

भारत के प्रधान मंत्री के सम्मान में कार्यक्रम

अकादेमी के कलाकारों ने परंपरागत नृत्य और संगीत का एक कार्यक्रम श्री अटल बिहारी बाजपेयी, माननीय भारत के प्रधान मंत्री के सम्मान में प्रस्तुत किया जब वे मणिपुर में दो दिन के दौरे पर आए थे। प्रधान मंत्री ने कार्यक्रम की बहुत सराहना की।

प्रायोजित कार्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि में अकादेमी ने परंपरागत मणिपुरी नृत्य और संगीत के तीन कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें मणिपुर के विभिन्न विभागों द्वारा प्रायोजित किया गया।

6 अप्रैल, 1999 : यह कार्यक्रम मिशिगन विश्वविद्यालय (यू एस ए) के प्रो. रॉबिन्स बर्लिंग के सम्मान में शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित किया गया था।

10 मई, 1999 : यह कार्यक्रम मणिपुरी शब्दावली कार्यशाला में भाग लेने वालों के सम्मान में शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित किया गया था।

18 मई, 1999 : यह कार्यक्रम 11वें वित्त आयोग, भारत सरकार के माननीय अध्यक्ष और सदस्यों के सम्मान में जी ए डी मणिपुर द्वारा प्रायोजित किया गया था।

इस अवधि के दौरान, अकादेमी ने परंपरागत मणिपुरी नृत्य और संगीत का एक कार्यक्रम अकादेमी ऑडिटोरियम में 12 अगस्त, 1999 को आस्ट्रियाई दूतावास, नई दिल्ली के उच्चाधिकारियों के सम्मान में प्रस्तुत किया, जिसे मणिपुर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, इम्फाल ने प्रायोजित किया था।

अकादेमी ने परंपरागत मणिपुरी नृत्य और संगीत का एक कार्यक्रम 15 नवंबर, 1999 को भारत सरकार के वैज्ञानिकों के उच्च स्तरीय दल के सम्मान में प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम को मणिपुर विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्, इम्फाल द्वारा प्रायोजित किया गया था।

राजर्षि भाग्यचंद्र की 200वीं बरसी के अवसर पर नट संकीर्तन और महारास का प्रदर्शन

राजर्षि भाग्यचन्द्र की 200वीं बरसी के वर्ष भर चलने वाले समारोह के एक भाग के रूप में अकादेमी ने 23 सितंबर, 1999 को अकादेमी मंडप में नट संकीर्तन और महारास का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

मणिपुर के राज्यपाल और अकादेमी के अध्यक्ष, श्री ओ. एन. श्रीवास्तव और एन. तोम्बी सिंह, पूर्व संसद सदस्य कार्यक्रम के क्रमश: प्रमुख अतिथि और सम्मानीय अतिथि थे। मणिपुर के महान संत सदृश, राजर्षि भाग्यचद्र की स्मृति में श्रद्धांजलि के रूप में अकादेमी के गुरूओं और छात्रों द्वारा दो प्रदर्शन प्रस्तुत किए थे।

प्रदर्शन में भारी मात्रा में दर्शक आए थे और मीडिया द्वारा इसका व्यापक प्रचार किया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि अकादेमी ने राजर्षि भाग्यचद्र की बरसी के अवसर पर नबाद्वीय (पश्चिम बंगाल) में श्री अणुप्रभु की समाधि पर 26 सितंबर, 1999 को नट संकीर्तन और महारास का कार्यक्रम प्रस्तुत किया था।

ग्रंथ-विमोचन समारोह

अकादेमी के प्रधान गुरू एस. थानिल सिंह द्वारा संकलित ग्रंथ "नट संकीर्तन राग पुंगलों" का विमोचन श्री रतन थियम, अकादेमी के उपाध्यक्ष द्वारा 23 नवंबर, 1999 को किया गया था। पुस्तक का प्रकाशन जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी द्वारा किया गया है।

शास्त्रीय नृत्य के पांचवें भाग्यचन्द्र राष्ट्रीय उत्सव का उद्घाटन-कार्यक्रम

अकादेमी ने 4 दिसंबर, 1999 को अकादेमी मंडप में शास्त्रीय नृत्य के पाँचवें भाग्यचद्र राष्ट्रीय उत्सव के उद्घाटन प्रदर्शन में नट संकीर्तन और महारास प्रस्तुत किया। इसका आयोजन पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केद्र, कलकत्ता और कला और संस्कृति विभाग, मणिपुर सरकार ने किया था।

उत्सव का उद्घाटन मणिपुर के माननीय मुख्य मंत्री, श्री डब्ल्यू. नीपामाची सिंह द्वारा किया गया था। इसमें भारी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

नृत्य रचना "लाईचल"

अकादेमी के प्रस्तुति एकक के कलाकारों ने 6 दिसंबर, 1999 को बौट पैलेस कम्पाउंड, इम्फाल में शास्त्रीय नृत्य के पाँचवें भाग्यचंद्र राष्ट्रीय उत्सव में नृत्य रचना "लाईचल" प्रस्तुत की। प्रदर्शन को अत्यधिक रूप से सराहा गया और मीडिया द्वारा इसका प्रचार किया गया।

कथकली कलाकारों का स्वागत

अकादेमी में 7 दिसंबर, 1999 को शास्त्रीय नृत्य के भाग्यचद्र राष्ट्रीय उत्सव में भाग लेने मणिपुर में आए केरल के कलाकारों के दल का अकादेमी ने हार्दिक स्वागत किया। दल का नेतृत्व गुरू माधवूर वासुदेवन नायर ने किया।

वार्षिक परीक्षा

अकादेमी के समस्त पाठ्यक्रमों की वार्षिक परीक्षा का आयोजन 22 नवंबर से 9 दिसंबर, 1999 तक किया गया।

खजुराहो नृत्य उत्सव

2 से 8 मार्च, 2000 तक चले खजुराहो सहस्त्राब्दी के भव्य समापन समारोह में अकादेमी ने प्रदर्शन किया।

रबीन्द्र रंगशाला

संगीत नाटक अकादेमी की तीसरी घटक इकाई रबीन्द्र रंगशाला, जो नई दिल्ली के रिज क्षेत्र में स्थित है, अप्रैल, 1993 में संस्कृति विभाग द्वारा संगीत नाटक अकादेमी को सौंपी गई थी। रबीन्द्र रंगशाला का प्रबंधन संगीत नाटक अकादेमी के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है। रंगशाला की वार्षिक बजट राशि 40 लाख रुपए है, जो मुख्य रूप से इसके रखरखाव और ऑडिटोरियम के अनुरक्षण पर व्यय होती है।

संगीत नाटक अकादेमी: संगम ज्ञापन (उद्धरण)

जिन उद्देश्यों के लिए सोसाइटी की स्थापना की गई है, वे इस प्रकार हैं :

1. प्रादेशिक या राज्य की संगीत, नृत्य तथा नाटक अकादेमियों के कार्यकलापों का समन्वय करना;

2. भारतीय संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा इस प्रयोजन के लिए पुस्तकालय एवं संग्रहालय आदि की स्थापना करना;

3. अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए तथा समग्र रूप से भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसी ही अकादेमियों और अन्य संस्थाओं और संघों के साथ सहयोग करना;

4. संगीत, नृत्य तथा नाट्य कलाओं के संबंध में विभिन्न प्रदेशों के बीच वैचारिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना तथा तकनीकों का संवर्धन करना;

5. प्रादेशिक भाषाओं के आधार पर नाट्य केंद्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना;

6. नाट्य-प्रस्तुति, मंच-शिल्प के अध्ययन एवं अभिनय प्रशिक्षण सहित नाट्य-कला में प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं की स्थापना को प्रोत्साहित करना;

7. पुरस्कार और सम्मान प्रदान करके नए नाटकों की प्रस्तुति को प्रोत्साहन और सहयोग देना;

8. संदर्भ ग्रंथों-यथा सचित्र शब्द-कोश या पारिभाषिक शब्दावली पुस्तिका सहित भारतीय संगीत, नृत्य एवं नाटक संबंधी साहित्य को प्रकाशित करना;

9. श्रेष्ठ नाट्य संस्थाओं को मान्यता प्रदान करना या उन्हें अन्यथा सहायता प्रदान करना;

10. विभिन्न नाट्य शैलियों के अव्यावसायिक दलों की गतिविधियों, बाल रंगमंच, खुले रंगमंच तथा ग्रामीण रंगमंच के विभिन्न रूपों के विकास को प्रोत्साहित करना;

11. देश के विभिन्न क्षेत्रों में लोक संगीत, लोक नृत्य और लोक नाट्य को पुनर्जीवित करना तथा उनका परिरक्षण करना और सामुदायिक संगीत, यौद्धिक संगीत तथा अन्य प्रकार के संगीत के विकास को बढ़ावा देना;

12. अखिल भारतीय आधार पर संगीत, नृत्य और नाट्य उत्सवों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों को प्रायोजित करना तथा ऐसे क्षेत्रीय उत्सवों को प्रोत्साहित करना;

13. संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए व्यष्टिक कलाकारों को पुरस्कार तथा सम्मान प्रदान करना तथा मान्यता प्रदान करना;

14. संगीत, नृत्य और नाटक के शिक्षण में समुचित एवं यथेष्ठ स्तर को बनाए रखने के लिए उपयुक्त कदम उठाना और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उपर्युक्त विषयों के शिक्षण में अनुसंधान की व्यवस्था करना; और

15. संगीत, नृत्य एवं नाटक के क्षेत्रों में देश के विभिन्न प्रदेशों के बीच तथा अन्य देशों के साथ भी सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना।

संगीत नाटक अकादेमी की महापरिषद्, कार्यकारिणी मंडल तथा समितियाँ

कार्यकारिणी मंडल
डॉ. भूपेन हजारिका
अध्यक्ष

श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष

श्री संजय नारायण
वित्तीय सलाहकार

श्री एस. सत्यमूर्ति
संयुक्त सचिव (संस्कृति)

श्रीमती सोनल मानसिंह
प्रो. राम गोपाल बजाज
डॉ. (श्रीमती) हेलेन गिरि
डॉ (श्रीमती) सरयु कालेकर
डा. (श्रीमती) शन्नो खुराना
श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद
श्री दुलाल राय
श्री एस. राजाराम
श्रीमती शांता सर्बजीत सिंह
श्री बी. पी. सिंह
श्री बलवंत ठाकुर
श्री रतन थियम
श्रीमती चित्रा विश्वेश्वरण
श्री जे. पी. कस्तुआर
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

महापरिषद
डॉ. भूपेन हजारिका
अध्यक्ष

श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष

श्री संजय नारायण
वित्त सलाहकार

भारत सरकार के पाँच नामिति :

श्रीमती सोनल मानसिंह
डॉ. (श्रीमती) सरयु कालेकर
श्रीमती कलानिधि नारायणन
श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद

भारत के संविधान में वर्णित राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रत्येक का एक प्रतिनिधि

अंडमान और निकोबार
श्री एन. दास

आंध्र प्रदेश
श्री सत्य नारायण मोहंती

अरूणाचल प्रदेश
नामांकन की प्रतीक्षा है।

असम
श्री हिभांगशु शेखर दास

बिहार
डॉ. (श्रीमती) मुकुल बंधोपाध्याय

चंडीगढ़ प्रशासन
श्री जी. एस. चानी

दिल्ली
श्री शेखर वैष्णवी

दादर व नागर हवेली-संघ राज्य क्षेत्र
नामांकन की प्रतीक्षा है।

गोवा
श्री प्रसाद आर. साकर

गुजरात
सचिव, गुजरात सरकार
खेलकूद, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग

हरियाणा
नामांकन की प्रतीक्षा है।

हिमाचल प्रदेश
नामांकन की प्रतीक्षा है।

जम्मू एवं कश्मीर
श्री बलवंत ठाकुर

कर्नाटक
श्री ए. आर. चंद्रहास गुप्ता

केरल
श्री पी. अप्पुकुट्टन

लक्षद्वीप-संघ राज्य क्षेत्र
नामांकन की प्रतीक्षा है।

मध्य प्रदेश
डॉ. अजित रायजादा

महाराष्ट्र
सुश्री कीर्ति जयराम शिलेदर

मणिपुर
श्री एच. रोमोनी सिंह

मेघालय
डॉ. संजीव सभलोक, आई.ए.एस.

मिजोरम
श्रीमती बांचिंग्पुई

नागालैंड
नामांकन की प्रतीक्षा है।

उड़ीसा
श्री फाल्गुनी सिंह

पांडिचेरी
थिरू के. राजामणिकम्

पंजाब
श्री आई. एस. ढिल्लों

राजस्थान
सुश्री गुरजीत कौर

सिक्किम
नामांकन की प्रतीक्षा है।

तमिनलाडु
थिरू राम नारायणन

त्रिपुरा
श्री हीरालाल सेनगुप्ता

उत्तर प्रदेश
श्री शैलेश कृष्ण

पश्चिमी बंगाल
श्री अशोक मुखोपाध्याय

संस्कृति विभाग का प्रतिनिधि
श्री एस. सत्यमूर्ति

सूचना और प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधि
श्री प्रेम मटियानी

साहित्य अकादेमी के दो प्रतिनिधि
प्रो. के. सच्चिदानंद
श्री पु. लालथंगफाला सेलों

ललित कला अकादेमी के दो प्रतिनिधि
श्री अशोक टी. अक्की

प्रो. सी. एस. मेहता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् का एक प्रतिनिधि
श्री हिमाचल सोम

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का एक प्रतिनिधि
प्रो. राम गोपाल बजाज

नियम 4 (VIII) के अधीन सहयोजित बारह सदस्य
डॉ. (श्रीमती) शन्नो खुराना

उस्ताद असद अली खान

श्री टी. एन. कृष्णन

श्रीमती चित्रा विश्वेश्वरण

श्री अस्ताद देबू

श्रीमती दर्शना झावेरी

श्री रतन थियम

श्री दुलाल राय

श्रीमती अमाल अल्लाना

डॉ. चंद्रशेखर कंबार

श्री ए. राजाराम

सुश्री कविता कृष्णमूर्ति

नियम (IX) के अधीन सहयोजित आठ सदस्य
श्री बी. पी. सिंह

डॉ. (श्रीमती) हेलेन गिरि

श्रीमती शांता सर्बजीत सिंह

श्री दादी पुदुमजी

डॉ. सुनील कोठारी

श्री गंगाधर प्रधान

श्री जतिन गोस्वामी

श्री मनसुख जोशी

श्री जयंत कस्तुआर
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

प्रकाशन समिति
श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी

डॉ. सुमति मुटाटकर

श्रीमती शांता सर्बजीत सिंह

श्रीमती प्रतिभा प्रह्लाद

श्रीमती सोनल मानसिंह

डॉ. अनंत लाल

डॉ. के. डी. त्रिपाठी

श्री जयंत कस्तुआर
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

संगीत की सलाहकार समिति
श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी

श्रीमती परवीन सुल्ताना

डॉ. (श्रीमती) शन्नो खुराना

डॉ. (श्रीमती) सरयु कालेकर

श्री एस. राजाराम

श्री भास्कर चन्दावरकर

डॉ. (श्रीमती) हेलेन गिरि

श्री जयंत कस्तुआर
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

अनुदान समिति
श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी

श्रीमती शांता सर्बजीत सिंह

श्रीमती चित्रा विश्वेश्वरण

डॉ. (श्रीमती) सरयु कालेकर

डॉ. (श्रीमती) हेलेन गिरि

श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद

प्रो. राम गोपाल बजाज

श्री जयंत कस्तुआर,
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन सदस्य)

नृत्य की सलाहकार समिति
श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी

श्रीमती सोनल मानसिंह

श्रीमती शांता सर्बजीत सिंह

श्रीमती चित्रा विश्वेश्वरण

श्रीमती प्रतिभा प्रह्लाद

श्री अस्ताद देबू

पं. बिरजू महाराज

श्री जयंत कस्तुआर,
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

रंगमंच की सलाहकार समिति
श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी

श्रीमती अमाल अल्लाना

डॉ. चन्द्र शेखर कंबार

श्री दुलाल राय

श्री सतीश अलेकर

श्री बलवंत ठाकुर

श्री रतन थियम

श्री जयंत कस्तुआर
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

प्रलेखन और अभिलेखागार सलाहकार समिति
श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी

डॉ. (श्रीमती) हेलेन गिरि

श्री सुनील कोठारी

श्रीमती सोनल मानसिंह

श्रीमती अनिता रत्नम

श्री एस. सरकार
महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार

श्री कपिल तिवारी

श्री जयंत कस्तुआर
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

वित्त समिति
श्री श्यामानंद जालान
उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी

श्री वी. सुब्रहमणियन
वित्तीय सलाहकार (संस्कृति विभाग)

श्री एस. सत्यमूर्ति
संयुक्त सचिव (संस्कृति विभाग)

श्री प्रेम मटियानी
निदेशक, गीत एवं नाटक प्रभाग

श्रीमती सोनल मानसिंह

श्री जयंत कस्तुआर
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (पदेन)

वर्ष 1999-2000 के दौरान आयोजित बैठकें

परिशिष्ट-3

1.	आई एस सी ई पी का वार्षिक सम्मेलन	10-11 अप्रैल, 1999
2.	महापरिषद	26 अप्रैल, 1999
3.	महापरिषद	14 मई, 1999
4.	कार्यकारिणी मंडल	15 मई, 1999
5.	सलाहकार समिति (प्रलेखन और अभिलेखागार)	4 जून, 1999
6.	कार्यकारिणी मंडल की विशेष बैठक	22 जून, 1999
7.	कार्यकारिणी मंडल	5 अगस्त, 1999
8.	अनुदान समिति	30-31 अगस्त, 1999
9.	प्रकाशन समिति	1 सितंबर, 1999
10.	सलाहकार समिति (नृत्य)	2 सितंबर, 1999
11.	सलाहकार समिति (संगीत)	3 सितंबर, 1999
12.	वित्त समिति	20 सितंबर, 1999
13.	कार्यकारिणी मंडल	4 अक्तूबर, 1999
14.	महापरिषद्	5 अक्तूबर, 1999

प्रमुख कार्यक्रमों की सूची

परिशिष्ट-4

क्र. सं.	कार्यक्रम	शहर	तिथि (याँ)
1.	आई एस सी ई पी के लिए संपर्क अधिकारियों के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर संगीत नृत्योत्सव	गोवा	9 - 10 अप्रैल, 1999
2.	पंजाबी नाटक "ढोल सिपाही"	अमृतसर	अगस्त, 1999
3.	नई रचनाओं-हितोपदेश और पंचतंत्र पर पुतुल उत्सव	दिल्ली	सितंबर, 1999
4.	रामलीला/नवरात्रि के दौरान रामलीला का प्रलेखन	रामनगर	अक्तूबर, 1999
5.	वाद्य-यंत्रों को बनाने से संबंधित वाद्य-यंत्रों की प्रदर्शनी और कार्यशाला	दिल्ली	1 - 14 नवंबर, 1999
6.	वार्षिक पुरस्कार समारोह और उत्सव,	दिल्ली	दिसंबर, 1999
7.	भारतीय भाषाओं में नाटककारों की कार्यशाला (उड़िया)	भुवनेश्वर	फरवरी, 2000
8.	कालीदास अकादेमी के संस्कृति थिएटर पर केंद्रित प्रमुख रंगमंच उत्सव	उज्जैन	फरवरी, 2000
9.	आंध्र नृत्य परंपराओं पर प्रमुख उत्सव	दिल्ली	मार्च, 2000

प्रकाशित पुस्तकों की सूची

	अंग्रेजी	रु. पैसे
1.	*संगीत नाटक अकादेमी बुलेटिन* : टैगोर सेंटेनरी नम्बर	10.00
2.	*संगीत नाटक* : रजत जयंती अंक	100.00
3.	*मुश्ताक हुसैन खां* : नैना रिपजीत सिंह	2.50
4.	*क्लासिकल इंडियन डांस इन लिटरेचर एंड द आर्ट्स* : कपिला वात्स्यायन	140.00
5.	*म्यूजिक एंड डांस इन रवींद्रनाथ टैगोर्स एजूकेशन फिलासफी* : शांतिदेव घोष	20.00
6.	*द विंग्ड फॉर्म* : एस्थेटिकल एस्सेज ऑन हिंदुस्तानी रिट्म : एस. के. सक्सेना	35.00
7.	*रावण छाया* : जीवन पाणि	12.00
8.	*मालुशाही बैलेड ऑफ कुमाऊँ* : मोहन उप्रेती	30.00
9.	*करयाला* : एस. एस. एस. ठाकुर	20.00
10.	*इवोल्यूशन ऑफ ख्याल* : एम. वी. धोंढ	10.00
11.	*भाओना* : रिच्यूअल प्ले ऑफ असम : महेश्वर नियोग	25.00
12.	*हूज हू ऑफ इंडियन म्यूजिश्यंस* : दूसरा संस्करण	50.00
13.	*कूत्तमपलम एंड कूटियाट्टम* : गोवर्धन पांचाल	130.00
14.	*उस्ताद फैयाज़ खाँ* : दीपाली नाग	90.00
15.	*तोलू बोम्मलाट्टा* : शैडो पपेट्स ऑफ आंध्र प्रदेश : एम. नागभूषण सर्मा	60.00
16.	*स्टेज म्यूजिक ऑफ महाराष्ट्र* : अशोक डी. रानाडे	60.00
17.	*आस्पेक्ट्स ऑफ इंडियन म्यूजिक* : ए कलेक्शन ऑफ एस्सेज : सुमति मुटाटकर (संपादित)	150.00
18.	*कंटेम्पोरेरी इंडियन थिएटर* : इंटरव्यूज़ विद प्लेराइट्स एंड डायरेक्टर्स	175.00
19.	*मैडम मेनका* : दमयंती जोशी	150.00
20.	*तौलपावा कुत्तु* : शैडो पपेट्स ऑफ केरल : जी. वेणु	130.00
21.	*स्विंगिंग सिलबेल्स* : एस्थेटिक्स ऑफ कथक डांस : एस. के. सक्सेना	225.00
22.	*शार्गदेव एंड हिज़ संगीत रत्नाकारा* : सं. प्रेमलता शर्मा	1200.00 सजिल्द, 800.00 पेपरबैक
हिंदी		
1.	*ओंकारनाथ ठाकुर* : बी. सी. मौदगल्य	2.50
2.	*सहसरस* : प्रेमलता शर्मा (संपादित)	25.00
3.	त्यागराज कृति संग्रह	20.00
4.	*पाश्चात्य संगीत और उसकी स्वरलिपि* : एच. जे. कौलरयटर	5.00
5.	*रासलीला तथा रसानुकरण विकास* : बी. यामदग्नि	100.00
6.	मुतुस्वामी दीक्षितार कृति संग्रह	50.00
7.	*मृदंग-तबला वादन पद्धति* : गुरुदेव पटवर्धन	7.50
8.	*हिमाचल का लोक संगीत* : केशव आनंद	70.00
9.	*मृदंग वादन (नाथद्वारा परंपरा)* : पुरुषोत्तम दास	25.00
10.	*पुष्टि संगीत प्रकाश* : बी. पी. भट्ट	70.00
11.	*नाट्यकल्पद्रुम* : मणि माधव चाक्यार (सं. प्रेमलता शर्मा)	300.00
मैतई		
1.	*रास पूर्णिमा* : बाबू सिंह	60.00
2.	*चाली* : गुरू अमूबी सिंह	10.00
3.	*भंगी परेंग* : गुरु अमूबी सिंह	7.50
4.	*भंगी परेंग अछोबा* : गुरु अमूबी सिंह	7.50
5.	*मणिपुर जगोई* : गुरु अमूबी सिंह	15.00
तमिल		
1.	*अयोध्या कांड ऑफ तौलपावा कुत्तु* : के. पुलावर	100.00

श्रव्य तथा दृश्य रिकार्डिंग्स अप्रैल, 1999 से मार्च, 2000

परिशिष्ट-6

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
संगीत		
श्रीकांत वी. देशपांडे : हिंदुस्तानी गायन	01:27	01:27
राम आशीष पाठक : हिंदुस्तानी वाद्य (पखावज)	01:37	01:40
अकादेमी पुरस्कार 1998, दिल्ली		
कराईकुडी आर. मणि : कर्नाटक वाद्य (मृदंगम) (थाविल पर टी. ए. कलियामूर्ति के साथ)	-	00:49
विश्व मोहन भट्ट : हिंदुस्तानी वाद्य (गिटार)	-	00:58
रंगनायकी राजगोपालन : कर्नाटक वाद्य (वीणा)	-	00:52
गणतंत्र महोत्सव, गुवाहाटी (असम)		
विष्णु प्रसन्ना और राजेंद्र प्रसन्ना :हिंदुस्तानी वाद्य (शहनाई)	-	00:43
प्रवीण सुलताना और मो. दिलशाद खान : हिंदुस्तानी गायन	-	01:09
उमाकांत-रमाकांत गुनडेचा : हिंदुस्तानी गायन (ध्रुपद)	-	00:43
राजेश्वरी पद्मनाभन : कर्नाटक वाद्य (वीणा)	-	00:49
कराईकुडी आर. मणि और दल : ताल वाद्य काचेरी	-	01:06
अजय चक्रवर्ती : हिंदुस्तानी गायन	-	00:55
हरिप्रसाद चौरसिया : हिंदुस्तानी वाद्य (बाँसुरी)	-	01:40
मुराद अली और फतेह अली : हिंदुस्तानी वाद्य (सारंगी और सितार)	-	00:51
जी. एस. राजन : कर्नाटक वाद्य (बाँसुरी)	-	00:15
गणतंत्र महोत्सव, शिलांग (मेघालय)		
मुराद अली और फतह अली : हिंदुस्तानी वाद्य (सारंगी और सितार)	-	00:33
कराईकुडी आर. मणि और दल : तालवाद्य काचेरी	-	00:27
विद्युत मिश्रा : हिंदुस्तानी वाद्य (वायलिन)	-	00:53
गणतंत्र महोत्सव, अगरतला (त्रिपुरा)		
आशीष खान : हिंदुस्तानी वाद्य (सरोद)	-	01:31
देबू चौधरी और प्रतीक चौधरी : हिंदुस्तानी वाद्य (सितार)	-	01:51
एम. एस. गोपाल कृष्णन और नर्मदा गोपालकृष्णन कर्नाटक वाद्य (वायलिन)	-	01:14
तालवाद्य काचेरी :		
उमायलपुरम शिवारमन : मृदंगम		
हरि शंकर : कंजीरा		
सुरेश :घटम		
गोविंद चक्रवर्ती : तबला	-	01:09
राजन-साजन मिश्रा : हिंदुस्तानी गायन	-	01:40
नृत्य		
कथक नृत्य उत्सव, नई दिल्ली		
किरण चौहान	-	00:35
स्वाति सिन्हा	-	00:35
रूबी मिश्रा	-	00:38
रूपा झा	-	00:38
नीरा खन्दूरी	-	00:35
हेमंत पंवर	-	00:42
डेनियल फ्रेडी	-	00:36
मऊमाला नायक	-	00:36

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
अनुराग वर्मा	–	00:41
नृत्य प्रतिभा, नई दिल्ली		
रीमा गोयल	–	00:30
सौविक चक्रवर्ती	–	00:33
पूजा श्रीवास्तव और गजेंद्र मणि : युगलगान	–	00:43
संदीप के. महावीर	–	00:42
डेनियल फ्रेडी और रूपा झा : युगलगान	–	00:39
इलियोनोरा पेटरोवा	–	00:37
प्राजक्त प्रताप पाटिल और शर्वरी जेमेनिस (युगल गान)	–	00:35
मधु एम. नटराज	–	00:30
सुरभि और इशानी : युगलगान	–	00:35
नेही कौल	–	00:33
भूपेंद्र कुमार बारेथ	–	00:34
मधुरा पाठक	–	00:32
विक्रम आयंगर	–	00:34
इंद्राणी मुकर्जी	–	00:39
अभिमन्यु लाल	–	00:43
अदिति सेन	–	00:41
कृष्णेंदु मजूमदार और मेघमिता मित्रा (युगलगान)	–	00:34
वंदना कौल	–	00:38
संयुक्त एम. मल्लापुर	–	00:40
पर्णा घोष	–	00:44
नृत्य प्रतिभा : गुरूओं और उनके शिष्यों के साथ विचार-विमर्श सत्र, नई दिल्ली		
अध्यक्ष : राघव मेनन		
उर्मिला नागर, दिल्ली	–	00:33
शशि शंखला, जयपुर	–	00:42
मधुमिता राय, कलकत्ता	–	00:10
मदुरिया सारंग, मुंबई	–	00:47
अध्यक्ष : शांता सरबजीत सिंह		
वास्वति मिश्रा, दिल्ली	–	00:46
राजेंद्र कुमार गंगानी, दिल्ली	–	00:34
रोहिणी भाटे, पुणे	–	00:56
माया राव नटराजन, बंगलौर	–	00:30
अध्यक्ष : सुनील कोठारी		
सुरेंद्र साइकिया, लखनऊ	–	01:07
मधुरा पाठक, दिल्ली	–	00:19
रामलाल बरेथ, भोपाल	–	00:58
मुन्ना शुक्ला : दिल्ली	–	00:55
अध्यक्ष : अशोक वाजपेयी		
उमा डोगरा, मुंबई	–	00:50
विक्रम आयंगर, कलकत्ता	–	00:40
गीतांजलि लाल, दिल्ली	–	01:11
अध्यक्ष : कपिला वात्स्यायन		
रवि कुमार गंगानी, दिल्ली	–	00:34

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
बिरजू महाराज	–	00:27
श्यामानंद जालान	–	00:05
कपिला वात्स्यायन	–	01:00
अभिजीत राय, कलकत्ता	–	00:43
पर्णा घोष, दिल्ली	–	00:16
रेबा विद्यार्थी	–	00:11
भारती गुप्ता	–	00:08
मुन्ना शुक्ला	–	00:03
दीपक महाराज	–	00:02
अकादेमी पुरस्कार, 1998, दिल्ली		
कलामंडलम क्षेमा वती : मोहिनिआट्टम	–	00:48
लक्ष्मी विश्वनाथन : भरतनाट्यम	–	00:57
जय रामाराव और बनश्री राव : कूचिपूड़ि	–	01:00
गणतंत्र महोत्सव, गुवाहाटी (असम)		
केलूचरण महापात्र : ओडिसी	–	00:57
राजा और राधा रेड्डी : कूचिपूड़ि	–	01:12
किरण सेगल : ओडिसी	–	00:37
पद्मा सुब्रामण्यम : भरतनाट्यम	–	00:55
सोनल मानसिंह : ओडिसी	–	00:12
शोवना नारायण : कथक	–	01:04
उर्मिला सत्यनारायणन : भरतनाट्यम	–	00:52
उमा शर्मा : कथक	–	00:37
कलामंडलम लीलम्मा और कलामंडलम हेमावती : मोहिनिआट्टम	–	00:35
गीतांजलि लाल और जयंत कस्तुआर : कथक	–	01:00
अभयलाल, अभिमन्यु लाल और परवीन गंगानी : कथक	–	00:40
गणतंत्र महोत्सव, शिलांग (मेघालय)		
किरण सेगल : ओडिसी	–	00:33
उर्मिला सत्यनारायणन : भरतनाट्यम	–	00:36
उर्मा शर्मा : कथक	–	00:38
कलामंडम लीलम्मा और कलामंडलम हेमवती : मोहिनिआट्टम	–	00:30
अभय मिश्रा, अभिमन्यु लाल और परवीन गंगानी : कथक	–	41:00
गणतंत्र महोत्सव, अगरतला (त्रिपुरा)		
प्रतिभा प्रहलाद : भरतनाट्यम	–	01:26
शर्मिला विश्वास और दल : ओडिसी	–	01:03
भारती शिवाजी : मोहिनिआट्टम	–	01:10
शांता और वी. पी. धनंजयन : भरतनाट्यम	–	01:05
जोनल गड्डा अनुराधा और दल : कूचिपूड़ि	–	01:29
गंगाधर प्रधान और अरूणा मोहंती : ओडिसी	–	01:35
राजेंद्र गंगानी : कथक	–	01:24
रंगमंच		
"ढोल सिपाही" : पंजाबी नाटक निर्देशक : केवल दालीवाल	–	01:58
"ढोल सिपाही" नाटक पर विचार-विमर्श	–	02:40

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
"मैं और वो" उर्दू में संगीतमय नाटक निर्देशक एवं लेखक : शीला भाटिया	–	01:47
"रामलीला" रामनगर, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)		
केमरा-1	–	52:25
केमरा-11	–	55:40
अकादेमी पुरस्कार 1998, दिल्ली		
"बेगम वर्वे" हिंदी नाटक निर्देशक : अमाल अल्लाना	–	02:13
"रूदाली" हिंदी नाटक निर्देशक : उषा गांगुली	–	01:41
"सरकारी इंस्पेक्टर" असमिया नाटक निर्देशक : दुलाल राय	–	02:04
लोक और जनजातीय संगीत और नृत्य **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**		
जहाज से सामान्य शॉट कारनिकोबार में निकोबारी नृत्य दर्शक शॉट (करतल ध्वनि) (कार निकोबार में रिकार्ड किया गया)	–	00:20
नौका दौड़ निकोबारी हट (कारनिकोबार में रिकार्ड किया गया)	–	00:17
ननकौरी में निकोबारीज़ हट हट के भीतर निकोबारियों का गाना (चम्पिन गाँव में रिकार्ड किया गया)	–	00:22
कतचल में जहाज़ से सामान्य शॉट, समुद्र लहरें आदि (कापंग गाँव में रिकार्ड किया गया)	–	00:20
ननकौरी में		
निकोबारी नृत्य, निकोबारी (रीटेक्स), स्टिक फाइट (चम्पिन गाँव में रिकार्ड किया गया)	–	00:15
शॉम्पेन अनजाति		
नृत्य और संगीत (पुरूष और महिला) कैंपबेल बे (ए और एन) में रिकार्ड किया गया	–	00:22
निकोबारी नृत्य	–	00:06
कारनिकोबार का जहाज़ से शॉट शिप सेंटिनल, केबिन शॉट्स, पेन्टून, बादल, लाइटहाऊस, आदि से नौका दौड़ (कैंपबैल बे (ए एंड एन) में और जहाज़ पर	–	00:15
नौका से शॉट, नौका में प्रवेश करते हुए, नौका के अंदर गतिशील नौका से शॉट (जौली बॉय में रिकार्ड किया गया)	–	00:09
अंडमानियों के नृत्य और संगीत (स्ट्रेट द्वीप पर रिकार्ड किया गया)	–	00:21
अंडमानियों के जनजातीय गीत (स्ट्रेट द्वीप पर रिकार्ड किया गया)	–	00:07
अंडमान और निकोबार		
जरवास हट्स, जरवास (मिडिल स्ट्रेट को जाते हुए रिकार्ड किया गया)	–	00:20

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
जरवास		
सामान्य शॉट्स (मिडिल स्ट्रेट द्वीप को जाते हुए रिकार्ड किया गया)	-	00:17
भरतनाट्यम द्वारा टेरेसा गोम्ज़ कथक द्वारा स्मित्रा गोम्ज़	-	00:22
नोंगक्रेम उत्सव, स्मित, मेघालय		
नोंगक्रेम उत्सव	01:34	04:35
नोंगक्रेम उत्सव, मेघालय से संबंधित शॉट्स	-	00:20
नोंगथालांग, मेघालय में रंगखिली नृत्य	-	00:11
रंगखिली नृत्य से संबंधित शाट्स	-	00:06
खासी ड्रम और आँसाँबल, वकखेन, मेघालय	-	00:35
खासी आँसाँबल, वकखेन, मेघालय से संबंधित शाट्स	-	00:05
गणतंत्र महोत्सव, शिलांग (मेघालय)		
सरस्वती वंदना शिलांग म्यूजिक कालेज द्वारा	-	00:04
जनजातीय नृत्य : खासियों के गीत और नृत्य	-	00:04
जेन्तियों के गीत और नृत्य		
सर्जनात्मक नृत्य : गीतांजलि डांस आकदेमी, शिलांग द्वारा	-	00:19
गोरों के गीत और नृत्य		
सर्जनात्मक नृत्य : जीवन राय मेमोरियल इंस्टीट्यूट, शिलांग द्वारा	-	00:18
भक्ति संगीत		
गणतंत्र महोत्सव, गुवाहाटी (असम)		
शिखा दत्ता : भजन	-	00:12
संघमित्रा : भजन	-	00:10
परंपरागत		
"प्रह्लाद चरित्रम्" उपाख्यान मेलात्तूर भागवत मेला नाट्य विद्या संगम द्वारा	-	04:35
सत्रिया नृत्य संगोष्ठी, गुवाहाटी (असम) सत्रिया नृत्य धनकांता बोरा बरबयान और दल द्वारा	-	00:56
अंखिया भयोना - "परिजात हरण" : नृत्य-नाटिका	-	01:22
गणतंत्र महोत्सव, गुवाहाटी (असम)		
सत्रिया घेमाली, घनकांता बोरा बरबयान और दल द्वारा	-	00:22
सत्रिया चाली नृत्य, स्टेट कालेज ऑफ म्यूजिक द्वारा	-	00:21
सत्रिया ओजापाली, बरपेट सत्र के कलाकारों द्वारा	-	00:30
सेराइकेला छऊ, शशाधर आचार्य और दल द्वारा	-	00:33
गणतंत्र महोत्सव, शिलांग (मेघालय)		
सेराइकेला छाऊ, शशाधर आचार्य दल द्वारा	-	00:33
सत्रिया, गरिमा हजारिका द्वारा	-	00:34
साक्षात्कार/व्याख्यान-निदर्शन/संगोष्ठी/वार्ता आदि		
रामनगर, वाराणसी (उ. प्र.) में रामलीला पर साक्षात्कार		
राम, सीता आदि का साक्षात्कार	-	00:44
प्रो. अनुरूद्ध कपूर द्वारा महामान्य महाराज		
विभूति नारायण सिंह का साक्षात्कार	-	00:46
डॉ. भानु शंकर मेहता और राम नारायण		
पाठक द्वारा रामनगर की रामलीला पर वार्ता	-	00:51

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
नोंगक्रेम उत्सव, स्मित, मेघालय		
सिइयम पर वार्ता (श्री बालाजीत सिंह सिइयम) अंग्रेजी में	-	00:19
लिंग्सकोर पर वार्ता (अंग्रेजी में)	-	00:09
खासी संस्कृति पर श्री सीतीमोन सवाईं की वार्ता (अंग्रेजी में)	-	00:11
श्रीमती हेलेन गिरि द्वारा श्री नोकोत-खियम का साक्षात्कार (खासी में)	-	00:14
श्री जे. एन. कौशल द्वारा शीला भाटिया का साक्षात्कार	01:30	01:30
सत्रिया नृत्य पर संगोष्ठी, गुवाहाटी (असम)		
संगोष्ठी का उद्घाटन असम के राज्यपाल श्री एस. के. सिन्हा द्वारा	00:47	00:47
डॉ. प्रदीप ज्योति महंता द्वारा नीति सूचक भाषण और कलाकारों द्वारा प्रदर्शन	01:29	01:29
"मति अखारा" परंपरा और उसकी रासेश्वर साइकिया बरबयान	00:43	00:43
"सत्रिया नृत्य में हस्तास और शारीमंस" (हैंड-जेस्चर्स एंड फुटवर्क) जगन्नाथ महंता द्वारा	01:56	01:56
"अंकिया नट और सत्रिया नृत्य" (द म्यूजिक. ड्रामा एंड द लिटरेरी टेक्स्ट) केशवानंद देव गोस्वामी द्वारा	01:16	01:16
"द नृत्य" सत्रिया नृत्य में नारायण चन्द्र गोस्वामी, सत्राधिकार द्वारा	02:34	02:34
"सत्रिया नृत्य में अभिनय" जतिन गोस्वामी, सत्राधिकार द्वारा	01:20	01:20
सत्रिया नृत्य पर अवलोकन, जेनिस दरबारी द्वारा	00:17	00:17
"द् सूत्रधारी एंड द् स्पेस एंड टाइम" सत्रिया नृत्य में, डॉ. नरेन कलिता द्वारा	01:35	01:35
"द सत्रिया ओजापाली" भद्रकांत गोस्वामी द्वारा	00:22	00:22
"द सत्रिया ओजापाली" करूणा कांत बोरा द्वारा	00:26	00:26
"द सत्रिया ओजापाली" गुरू प्रसाद ओझा द्वारा	00:26	00:26
डॉ. भूपेन हजारिका, अध्यक्ष संगीत नाटक अकादेमी द्वारा समापन टिप्पणी	00:17	00:17
सत्रिया पर निदर्शन और साक्षात्कार		
प्रदीप ज्योति महंता द्वारा रोजेश्वर साइकिया बरबयान का साक्षात्कार	-	00:37
साक्षात्कार और निदर्शन : गोविंद चक्रवर्ती द्वारा राम आशीष पाठक (पखावज़)	00:30	00:30
व्याख्यान-निदर्शन, विवेकानंद केंद्र, गुवाहाटी		
केलूचरण महापात्र : ओडिसी	-	00:56
राजा और राधा रेड्डी : कूचिपूड़ि	-	00:16
विविध		
कविता 99 और नजरल गीति 100	03:30	03:20
के. पी. कित्तप्पा पिल्लै को श्रद्धांजलि, वीडियो एक्सपर्ट्स की स्क्रिनिंग	-	00:22
रामलीला, रामनगर, वाराणसी (उ.प्र.)		
किले और भरत मिलाप के विभिन्न शॉट्स	-	00:17
रामलीला, रामनगर, वाराणसी से संबंधित विभिन्न स्थलों, पक्षों, उपकरणों और पोशाकों के शॉट्स	-	01:05
वार्षिक पुरस्कार समारोह, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली		
(पुरस्कार श्री के. आर. नारायणन, भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए गए)	-	01:16
श्री एस. के. सिन्हा, असम के राज्यपाल द्वारा गणतंत्र महोत्सव, गुवाहाटी का उद्घाटन समारोह और पत्रकार सम्मेलन	-	00:52
श्री एम. एम. जैकब, मेघालय के राज्यपाल द्वारा गणतंत्र महोत्सव का उद्घाटन समारोह	-	00:16
श्री मणिक सरकार, मुख्य मंत्री, त्रिपुरा द्वारा गणतंत्र महोत्सव का उद्घाटन समारोह	-	00:52

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
सम्प्राप्तियाँ		
मूकाभिनय (19 से 25 सितंबर, 1998 से मूकाभिनय उत्सव) इंडियन माइम थिएटर द्वारा (निरंजन गोस्वामी से प्राप्त)	-	03:00
उत्तर-पूर्व का लोक संगीत		
गारो गीत, खासी गीत, जेन्तिया गीत और खासी परंपरागत संगीत (हेलेन गिरि से प्राप्त)	06:00	-
एन ई जेड सी ई के कार्यक्रम की कापी :		
"सरोंग ला का जोंग" खासी और जेन्तिया हिल्स का परंपरागत सांस्कृतिक कार्यक्रम	-	02:15
का क्रुद क्िसग : धान बोने के साथ-साथ कार्य-गीत	-	00:54
एच. के. लिओस वालांग रिथ आदि	-	01:00
बेह-दीन-खल्म, गारो संगीत	-	01:19
बेह-दीन-खल्म, जेन्तियों का एक उत्सव	-	00:27
मास्टर कापी। (हेलेन गिरि से प्राप्त)	-	01:40
हिमाचल सांस्कृतिक दल :		
19-25 फरवरी, 1999 को त्रिपुरा का दौरा (सूचना और सांस्कृतिक मामलों के निदेशालय त्रिपुरा से प्राप्त)	-	00:25
बुंदेली महोत्सव : 14-15 मार्च, 1999 उरई नृत्य, संगीत और कवि सम्मेलन (वात्स्यन, उरई, उ. प्र. से प्राप्त)	-	02:55
प्रोमोशन वीडियो : कीयो टाकेया (डांस ट्रूप-I और -II (काइको टाकेया, कंटम्पोरेरी डांस, जापान से प्राप्त)	-	00:18
आई एस सी ई पी सांस्कृतिक सम्मेलन, गोवा (गोवा सरकार, कला और संस्कृति निदेशालय, जनता हाउस, पणजी, गोवा से प्राप्त)	-	03:45
ओडिसी में स्थापत्य सत्य		
नृत्य रचना : आलोक कानूनगो	-	02:10
नवरंग : सगीत नाटक अकादेमी के बारे में चित्र (फ़ैज़ाज़ नेतू से प्राप्त)	-	00:04
संगीतज्ञों और नर्तकों की दूरदर्शन पुरालेखी सामग्री के उद्धरण (कमलिनी दत्त से प्राप्त)	-	00:47
अव्वई : तमिल नाटक	-	00:45
शास्त्रीय गायक : चिन्मय लाहिरी निर्देशक : सुप्रिय लाहिरी	-	00:25
द अदर साइड निर्देशक : सौरभ सारंगी	-	00:07
उड़ीसा के विभिन्न कलाकार :		
पंकज चरन दास, मनोरंजन दास, गंगाधर प्रधान, कुमकुम मोहंती, गोपाल चंद पंडा	-	00:36
कल्टीवेशन ऑफ पपेटरी : पुतुल कला पर एक वृत्त-चित्र	-	00:20
निकोबारीज़ : जनजातियों पर वृत्त-चित्र	-	00:22
ओड टू ए मैन	-	00:28
चन्दर बदानी निर्देशक : निरूपण सरकार	-	00:22
डांसिंग फार देमसेल्व्ज़, जीवन साहा द्वारा	-	00:53

	श्रव्य घंटे : मिनट	दृश्य घंटे : मिनट
हिमाचल प्रदेश के प्राचीन संगीत वाद्य यंत्र : मंडी, कुल्लू और लाहुल और स्पीति तीन जिलों के (नंद लाल गर्ग से प्राप्त)	01:10	-
खानदान : सुल्तान खान की संगीत-विरासत निर्देशक : अरूणधाति सेन	-	00:43
चैन जान : डोगरी लोक संगीत (भुपिन्दर सिंह जनवाल से प्राप्त)	01:55	-

वर्ष 1999-2000 के लिए सांस्कृतिक संस्थाओं को दिये गये अनुदान

परिशिष्ट-7

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
	अंडमान एवं निकोबार			
1.	आदित्य नाट्य अकादेमी, पोर्टब्लेयर	10000	"अबरदीन की लड़ाई" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	अंडमान पीपल थियेटर एसोसिएशन (एपीटीए), पोर्टब्लेयर	15000	रंगमंच प्रकाश उपस्करों के लिए	
	आंध्र प्रदेश			
1.	श्री विन्नेश्वर कला नट मंडली, कुडप्पा	10000	"महिषासुर मर्दिनी" पौराणिक नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	अबूरी कला परिषद, कृष्णा जिला	10000	परंपरागत नाटक की प्रस्तुति के लिए	
3.	जनपद्म, हैदराबाद	10000	तेलुगु में "हयावदन" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
4.	कला तरंगिणी, विशाखापत्तनम	15000	"पंडावुला मेट्टा" नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
5.	कलाक्षेत्रम ऐलुरू	12000	कूचिपूड़ि नृत्य के प्रशिक्षण के लिए	
6.	स्वर्ण मुखी आर्ट्स अकादेमी, महबूबनगर	10000	कूचिपूड़ि नृत्य के प्रशिक्षण के लिए	
7.	नृत्य दर्पण, हैदराबाद	10000	कूचिपूड़ि शैली में नई नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
8.	श्री बाल त्रिपुरा सुंदरी कूचिपूड़ि नाट्य कलाक्षेत्रम, हैदराबाद	12000	कूचिपूड़ि शैली में नई नृत्य नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
9.	श्री वैंकटराम नाट्य मंडली, कृष्णा जिला	22000	कूचिपूड़ि नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
10.	कूचिपूड़ि नाट्य भारती, ऐलुरू	12000	कूचिपूड़ि नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
11.	कला भारती परफोर्मिंग आर्ट्स सेंटर, विशाखापत्तनम	12000	कूचिपूड़ि नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
12.	लास्य प्रिय, हैदराबाद	20000	कूचिपूड़ि शैली में नई नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
13.	श्री रामकृष्ण नाट्य मंडली, कृष्णा जिला	10000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
	असम			
1.	दश-रूपक कल्चरल आर्गेनाइजेशन, सिल्चर	15000	नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	नट सैनिक, उत्तरी लखीमपुर	15000	नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
3.	रंगधर, बारपेटा	10000	नाटक कार्यशाला के आयोजन के लिए	
4.	स्कूल ऑफ ड्रामा, गुवाहाटी	15000	रंगमंच प्रशिक्षण के लिए	
5.	असम मणिपुरी कला अकादेमी, सिल्चर	15000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
6.	नारायण भारती संगीत सभा विद्यालय, गुवाहाटी	5000	संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
	अरूणाचल प्रदेश			
1.	आदि कल्चरल एंड लिटरेसी सोसायटी, पूर्वी सियांग जिला	12000	सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने के पश्चात लोक संगीत और नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
बिहार				
1.	बिहार आर्ट थियेटर, पटना	8000	नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	नवतरंग, वेगूसराय	5000	"बहुरा गोरहिन" नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
3.	बिहार स्कूल ऑफ म्यूजिक एंड ड्रामा, मुजफ्फरपुर	18000	1. बेला की वापसी और 2. ठेस नाटकों की प्रस्तुति के लिए	
4.	प्रांगण, पटना	10000	"अतीत के वातायन" नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
5.	सुरआंगन, पटना	10000	"हिरण-हिरणी" नई नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
6.	प्रयास, पटना	10000	"ठंडा गोष्त" मंटो की कहानी की प्रस्तुति के लिए	
7.	आदिबासी छऊ नृत्य सिंहभूम	12000	पोशाकों, मुखौटों और वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
8.	विंध्य कला मंदिर, पटना	20000	संगीत और नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
9.	कला संगम,	10000	------ प्रयोजन विचाराधीन	
दिल्ली				
1.	दिल्ली चिल्ड्रन थिएटर, नई दिल्ली	15000	बाल रंगमंच कैंप के लिए	
2.	प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान, नई दिल्ली	10000	"पंचरत्नम" नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
3.	उमंग, दिल्ली	20000	बाल रंगमंच कार्यशाला के लिए	
4.	नटरंग प्रतिष्ठान, नई दिल्ली	30000	तकनीकी उपस्करों की खरीद के लिए	
5.	द् इंटरनेशनल सेंटर फार कथकली, नई दिल्ली	25000	पाक्षिक कथकली कार्यक्रम के लिए	
6.	इंडियन रिवाइवल ग्रुप, नई दिल्ली	15000	पोशाकों और वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
7.	नादमंडल, दिल्ली	10000	ध्वनि उपस्करों की खरीद के लिए	
8.	ध्रुपद सोसायटी, नई दिल्ली	20000	उनके निमंत्रण-पत्रों, ब्रोशरों और अन्य प्रचार सामग्री में अकादेमी के नाम का उल्लेख करने के लिए	
9.	उमक सेंटर फार कल्चर (उस्ताद मुश्ताक अली खान सेंटर फार कल्चर), नई दिल्ली	15000	अकादेमी के एक पुरस्कार विजेता को उनके उत्सव में प्रस्तुत करने के लिए	
10.	यूनिवर्सल सोसायटी ऑफ परफोर्मेंस यूनिस्कोप, दिल्ली	10000	दिल्ली में विलुपट्टु प्रस्तुति करने के लिए	
11.	नैना देवी फाउंडेशन, नई दिल्ली	10000	प्रयोजन विचाराधीन	
12.	दिल्ली बैले ग्रुप, नई दिल्ली	10000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
13.	ध्वनि, नई दिल्ली	10000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
14.	स्पिक-मैके, दिल्ली	20000	कार्यक्रम आयोजित करने के लिए (प्रकाशित कार्यक्रम में संस्था अकादेमी के नाम का उल्लेख करेगी)	
गोवा				
1.	यंग स्टार्स ऑफ पोरबोरिम, बारदेज़	10000	नए नाटक "किरण" की प्रस्तुति के लिए	
2.	टीएसीटी (थिएटर आर्ट एंड कल्चरल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट), मारगाओ	10000	गोवा के "तिआत्रो" रूप नाटक की प्रस्तुति के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
3.	प्रभाकर सांस्कृतिक संस्था, इल्हास	10000	शिक्षा में बाल रंगमंच के लिए	
4.	डॉ. अम्बेडकर रंगधारा, सुरबन वडा	10000	गोवा में दलित रंगमंच के विकास के लिए	
5.	कलावृंद	10000	"भजन" कार्यशाला के लिए	
6.	मोहन आर्केस्ट्रा, वास्को-डा-गामा	10000	भारतीय वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
गुजरात				
1.	नवांकुर ट्रस्ट, अहमदाबाद	10000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
2.	कदंब, (सेंटर फार डांस एंड म्यूजिक), अहमदाबाद	20000	परिस्थितिक घटनाओं, प्रसंगों और कहानियों को बच्चों को प्रस्तुत करने पर उनकी प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने की परियोजना के लिए	
हिमाचल प्रदेश				
1.	समन्वय थिएटर, शिमला	15000	"खड़िया का घेरा" की प्रस्तुति के लिए	
2.	हिमाचल कल्चरल रिसर्च फार्म एंड थिएटर रेपर्टरी मंडी	18000	पूर्णकालिक रंगमंच प्रशिक्षण के लिए	
3.	शैल संगीत कला केंद्र, मंडी	12000	संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
4.	ताबों एंशियंट मोनेस्टरी लाहौल एवं स्पीति	20000	परंपरागत आनुष्ठानिक नृत्य और प्रशिक्षण के लिए	
जम्मू और काश्मीर				
1.	मानस मूवीज़ एंड थिएटर ग्रुप, जिला बारामूला	7000	निर्देशक कार्यशाला के लिए	
2.	रंगयुग नाट्य संस्थान, जम्मू	15000	बाल नाटक "वक्त का दरिया बहता जाता" की प्रस्तुति के लिए	
3.	सबरंग, कथुआ	10000	लोक नाटक "हरण" की कार्यशाला प्रस्तुति के लिए	
4.	वैली फाक थिएटर, चदूरा	10000	कैमरे की खरीद के लिए	
5.	कक्षौर दास्तान थिएटर, सोनावारी	10000	नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
6.	ऐमट्यूर थिएटर ग्रुप, जम्मू	15000	नए नाटक की प्रस्तुति लागत के लिए	
7.	बौमई लुका थिएटर, बारामूला	10000	जिला कुपूरारा में भांड पथार प्रस्तुत करने के लिए	
8.	नटरंग, जम्मू	22000	रंगमंच कैंप और प्रस्तुति के लिए	
9.	वुल्लर थिएटर, जेंगयर, कश्मीर	10000	"भांड पाथेर फार्म" नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
10.	न्यू कश्मीर कंस्ट्रक्शन यूथ क्लब, कश्मीर	10000	कश्मीरी में "हरूण रशीद" ओपेरा के लिए	
11.	थिएटर मित्र, जम्मूतावी	10000	नए नाटक "हत्या एक आकार की" की प्रस्तुति के लिए	
12.	समूह थिएटर, जम्मू	10000	"बिछड़े-बिखरे" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
13.	नेशनल भांड थिएटर जिला बुदगाम	5000	परंपरागत लोक नृत्य के लिए	
14.	कश्मीर भगत थिएटर अनंतनाग	5000	तकनीकी उपस्करों की खरीद के लिए	
15.	कल्पना कला केंद्र, जम्मू	10000	अंधे व्यक्तियों के संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
16.	सरस्वती संगीत कला मंदिर, जम्मू	12000	संगीत और नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
कर्नाटक				
1.	निनासम, श्री नीलकंठेश्वर नाट्य सेवा संघ, हेग्गोडू	25000	त्रिगुट समारोह, 99 के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
2.	अभिनय तरंग, बंगलौर	5000	प्रशिक्षण और प्रस्तुति के लिए	
3.	फॉकलोर रिसर्च सेंटर, धारवाड़	10000	दोदत्ता और सन्नाटा के प्रदर्शन के प्रशिक्षण के लिए	
4.	किन्नर मेला, जिला-शिमोग	15000	बाल रंगमंच उत्सव के लिए	
5.	श्री राजा राजेश्वरी नृत्य कला मंदिर ट्रस्ट, तुम्कुर	10000	नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
6.	यक्षगान केंद्र, उदीपी	5000	पुस्तकालय-पुस्तकों की खरीद के लिए	
7.	श्री इदागुंजी महागणपति यक्षगान मंडली, केरेमाने	20000	कर्नाटक में यक्षगान व्याख्यान-निदर्शन के लिए	
8.	हंगर कट्टा यक्षगान कला केन्द्र, उदीपी	12000	भागवद नृत्य-नाटिका के लिए भागवेद, मद्दाले	
9.	केशव नृत्यशाला, बंगलौर	10000	"बसवेश्वर" नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
10.	श्रीदेवी नृत्य केंद्र, मंगलौर	14000	नृत्योत्सव, 99 के आयोजन के लिए	
11.	अखिल कर्नाटक नृत्य कला परिषद, बंगलौर	15000	अंकूल उत्सव के लिए	
12.	परकसिव आर्ट्स सेंटर (आर) बंगलौर	22000	अकादेमी को दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए अध्यधीन वाद्ययंत्र बनाने के लिए	
13.	सरस्वती संगीत विद्यालय, बंगलौर	10000	"वाद्य नाद वैभव" की प्रस्तुति के लिए	
14.	कर्नाटक गणकला परिषद, बंगलौर	15000	युवा संगीतज्ञ सम्मेलन के लिए	
15.	संगीत परिषद, मंगलौर	5000	हिंदुस्तानी संगीत प्रस्तुत करने के लिए	
16.	द बंगलौर स्कूल ऑफ म्यूजिक ऑफ फाइन आर्ट्स, बंगलौर	10000	समवेत संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
17.	श्री ललित कला अकादेमी फाउंडेशन ट्रस्ट (आर) मैसूर	12000	"श्री चक्र और विज्ञान" संगीत रूपक की प्रस्तुति के लिए	
18.	द हुबली आर्ट सेंटर, हुबली	10000	संगीत सम्मेलन के लिए	
19.	द बंगलौर ज्ञान समाज, बंगलौर	22000	समकालीन संगीतकारों पर संगोष्ठि के लिए (भागीदारों के नाम संगीत नाटक अकादेमी द्वारा अनुमोदित कराए जाएँगे)	
20.	कर्नाटक जनपद परिषद, बंगलौर	10000	प्रयोजन विचाराधीन	
21.	जनपद नृत्य संगीत तरबेती कला केंद्र, बदागेरी	12000	यक्षगान में प्रशिक्षण के लिए	
22.	बंगलौर संगीत सभा, बंगलौर	20000	सेमिनार और कार्यशाला के लिए	
केरल				
1.	रंगप्रभात चिल्ड्रन्स थिएटर, तिरूवनंतपुरम	15000	बाल रंगमंच कार्यशाला के लिए	
2.	वैकोम तिरूनाल, वैकोम	12000	लोक नाटक "अरूलापड्डू" की प्रस्तुति के लिए	
3.	ज्वाला बजाकुलम् एर्नाकुलम	10000	"प्रलायम्" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
4.	अभिनय थिएटर रिसर्च सेंटर, तिरूवनंतपुरम	10000	"मारमृत्यम" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
5.	सोपानम इंस्टीट्यूट ऑफ परफोर्मिंग आर्ट्स एंड रिसर्च	30000	कार्यशाला और प्रस्तुति के लिए	
6.	केरल कला मंदिरम्, त्रिचूर	18000	मोहिनीआट्टम में प्रशिक्षण के लिए	
7.	रंगचेतना, त्रिचूर	15000	प्रदर्शनोन्मुख बालरंगमंच कार्यशाला के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
8.	कलाक्षेत्रम, कोलम	10000	कथकली में प्रशिक्षण के लिए	
9.	गांधी सेवा सदन कथकली एंड क्लासिकल आर्ट अकादेमी, पालकाड	15000	कथकली में प्रशिक्षण के लिए	
10.	सूर्य स्टेज एंड फिल्म सोसायटी, त्रिवेंद्रम	20000	सूर्य उत्सव के लिए	
11.	केरल स्टेट मपिला कला कोचिंग सेंटर, कोजिकोड	10000	मपिला लोक कलाओं की प्रस्तुति और पोशाकों, पर्दों और टेपरिकॉर्डर की खरीद के लिए	
12.	नाद लय प्रवाह अकादमी ऑफ म्यूजिक, त्रिचूर	10000	केरल में हिंदुस्तानी संगीत के प्रशिक्षण के लिए	
13.	सद्गुरू चैम्बर वैद्यनाथ भागवातर विद्यापीठम्, कोट्टयी	10000	चैम्बई उत्सव के लिए	
मध्य प्रदेश				
1.	टोली, भोपाल	10000	"दो शिलाओं की अँधेरी संधि में" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	नट बुंदेले, भोपाल	20000	बाल रंगमंच कैंप और उत्सव की प्रस्तुति के लिए	
3.	चिल्ड्रन थिएटर अकादमी, भोपाल	5000	"चल चल रे रूपया" नाटक के लिए	
4.	फॉक आर्ट्स अकादमी, सागर	10000	लोक नृत्यों का उत्सव आयोजित करने की परियोजना और रंगमंच ध्वनि और प्रकाश के लिए उपस्करों की परियोजना (राज्य अकादमी से संतोषजनक टिप्पणी प्राप्त होने पर)	
5.	लोक कला मंच, पंडवाणी	120000	पंडवाणी में प्रशिक्षण के लिए	
6.	ध्रुपद कला केंद्र, इंदौर	18000	ध्रुपद उत्सव के लिए	
7.	इंदिरा संगीत विद्यालय, भोपाल	5000	वाद्य यंत्रों की खरीद/रखरखाव के लिए	
8.	साधना संगीत महाविद्यालय (म्यूजिकल सर्किल), भोपाल	5000	वाद्य यंत्रों की खरीद के लिए	
महाराष्ट्र				
1.	नाट्य आराधना, शोलापुर	10000	"महापुर" मराठी नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	आविष्कार, मुंबई	30000	रंगमंच, प्रशिक्षण और कार्यशाला के लिए	
3.	कला छाया, पुणे	15000	कथक नृत्य के प्रशिक्षण के लिए	
4.	नालंदा डांस रिसर्च सेंटर, मुंबई	20000	मोहिनीआट्टम में प्रशिक्षण और छात्रों को वजीफा देने के लिए	
5.	नृत्य भारती कथक डांस अकादमी, पुणे	35000	कथक नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
6.	ज्ञान आश्रम इंस्टीट्यूट ऑफ परफोर्मिंग आर्ट्स, मुंबई	15000	भरतनाट्यम में प्रशिक्षण के लिए	
7.	स्मितालय, मुबंई	15000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
8.	नाटवारी, मुंबई	15000	कथक नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
9.	युवक बिरादरी (भारत) मुंबई	10000	आगरा में बैले (नृत्य-नाटिका) प्रस्तुत करने के लिए	
10.	श्री षणमुखानंद फाइन आर्ट्स, मुंबई	20000	प्रतिभा संवर्धन उत्सव आयोजित करने के लिए	
11.	कथक केंद्र, नागपुर	5000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
12.	सुर श्रृंगार संसद, मुंबई	10000	आचार्य वृहस्पति सम्मेलन के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
13.	नादालय, मुंबई	10000	कर्नाटक संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
मणिपुर				
1.	द परफोर्मिंग आर्टिस्ट सेंटर, लामलोंग बाजार	15000	पोशाकों की खरीद के लिए	
2.	मणिपुर आँसाबल, इम्फाल	15000	नए नाटक "जसमा ओडेन" की प्रस्तुति के लिए	
3.	कॉस्मोपोलिटिन ड्रामाटिक यूनियन, इम्फाल	12000	गिरीश कार्नाड के नए नाटक "हयावदान" की प्रस्तुति के लिए	
4.	थिएटर मिरर, इम्फाल	12000	"मतांगी येनिंगधाडी" नए नाटक की प्रस्तुति के लिए (रिपोर्ट और लेखापरीक्षित लेखाओं को प्रस्तुत करने के अध्यधीन)	
5.	द आल मणिपुरी गौरांगगिला एंड सानसेंबा आर्टिस्ट एसोशिएशन, इम्फाल	10000	गौरांगगिला की प्रस्तुति के लिए	
6.	द डील रेपरटरी, लिलौंग	12000	"आशीबागीवकत" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
7.	बनियन रेपरटरी थिएटर, इम्फाल	10000	नाटक (तप्ता) की प्रस्तुति के लिए	
8.	श्री गोविदांजू भक्ति केद्र, इम्फाल	15000	लैरिक धाबा में प्रशिक्षण के लिए	
9.	ऑल वारीलीबा एसोशिएशन, इम्फाल	10000	विशिष्ट परियोजना बाद में प्राप्त की जा सकती है।	
10.	द गुलापी नट संकीर्तन अकादमी, इम्फाल	10000	नट संकीर्तन के लिए	
11.	द मरम आर्ट एंड लिटरेचर एसोशिएशन, सेनापति	10000	मरम जनजाति के नृत्य और संगीत के प्रशिक्षण के लिए	
12.	तौर्यत्रिक कला विकास संघ नट कालिज, इम्फाल	15000	पुंग, इशैई और चोलम में प्रशिक्षण के लिए	
मेघालय				
1.	खला चाइम्पा क्लब, जैनतिया हिल्स	10000	प्रयोजन विचाराधीन	
2.	सेंग त्रिमोन सिंगेमा का रेड माजा, ईस्ट खासी हिल्स	5000	नृत्य प्रशिक्षण के लिए	
3.	जीवन राय मेमोरियल इंस्टीट्यूट, शिलांग	30000	प्रयोजन विचाराधीन	
4.	द शिलांग म्यूजिक कालेज, शिलांग	20000	प्रयोजन विचाराधीन	
मिजोरम				
1.	आर. टी. म्यूजिक इंस्टीट्यूट, आइजोल	10000	भारतीय वाद्य-संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
नागालैंड				
1.	नागा इंडीजीनस कल्चर सेंटर, कोहिमा	20000	संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
उड़ीसा				
1.	शताब्दीरा कलाकार, भुवनेश्वर	15000	"माला जनहारा गापा" नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	महाबीर सांस्कृतिक अनुष्ठान, भवानीपतना	10000	परंपरागत नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
3.	मानना नाट्य संस्था "वाल्मिकी"	15000	नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
4.	कला विकास केद्र, कटक	10000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
5.	नटराज संगीत महाविद्यालय, धेनकनाल	10000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
6.	बाबा भुवनेश्वर डंडा नृत्य संघ, अंगुल	10000	डंडा नट में प्रशिक्षण के लिए	
7.	दक्षिणासाही छऊ नृत्य मंदिर, मयूरभंज	10000	पोशाकों की खरीद के लिए	
8.	अब्रत, भुवनेश्वर	10000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
9.	श्री बालाजी ठाकुर नाट्य कला संसद, गंजम	12000	राधा प्रेम लीला में प्रशिक्षण के लिए	
10.	बनदेवी नाट्य कला संसद, कवि सूर्य नगर	12000	भरतलीला में प्रशिक्षण के लिए	
11.	मयूर आर्ट सेंटर, भुवनेश्वर	10000	छऊ नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
12.	आर्ट विज़न, भुवनेश्वर	15000	प्रकाश उपस्करों की खरीद के लिए	
13.	श्री जाटेश्वर नाट्यकला संसद, गंजम	12000	भरत लीला में प्रशिक्षण के लिए	
14.	म्यूजिक सर्किल, राउरकेला	15000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
15.	चन्द्र शेखा गोतीपुआ कला संसद, पुरी	15000	गोतीपुआ नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
16.	भंजा कला केद्र, राउरकेला	15000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
17.	बाजेश्वरी नृत्य कला संसद, जिला बरगारी	12000	नृत्य परियोजना के लिए	
18.	कोणार्क नाट्य मंडप, कोणार्क	18000	"गोतीपुआ" नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
19.	उड़ीसा डांस अकादेमी, भुवनेश्वर	18000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
20.	नृत्यायन (ओडिसी डांस और म्यूजिक सेंटर), भुवनेश्वर	18000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
21.	सृजन, भुवनेश्वर	20000	नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति के लिए	
22.	भारती नृत्य मंदिर, खुर्दा	10000	ओडिसी नृत्य संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
23.	नृत्य संगीत कला मन्दिर, बालासोर	12000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
24.	मघब संगीत विद्यालय, जासूगुडा	10000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए (आवश्यक दस्तावेज पूरे किए जाने के अध्यधीन)	
25.	स्वर रंग, भुवनेश्वर	10000	ओडिसी संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
26.	बाबाग्रही कला निकेतन, केंद्रपारा	10000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
पांडिचेरी				
1.	सप्तस्वरम म्यूजिक अकादमी, कराइकल	15000	संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
पंजाब				
1.	सेंटर फार एजूकेशन एंड वालंटरी एक्शन (सीईवीए) चंडीगढ़	8000	रंगमंच प्रशिक्षण कार्यशाला और नाटक प्रस्तुति के लिए	
2.	पंजाब कला केद्र, चंडीगढ़	5000	नए नाटक "शुभ कर्मन ते कमूँ न टरूँ" की प्रस्तुति के लिए	
3.	नेशनल थियेटर आर्ट्स सोसायटी (आर) पटियाला	10000	बाल रंगमंच परियोजना के लिए	
4.	मंच रंगमंच, अमृतसर	15000	"लाल बत्ती" नई प्रस्तुति के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
5.	नोरह रिचर्ड्स रंगमंच, मोहाली	10000	"नो मेन्ज़ लैंड" नाटक प्रस्तुति के लिए	
6.	सचटेक एजूकेशन सोसायटी, चंडीगढ़	5000	गुरमत संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
राजस्थान				
1.	परंपरा नाट्य समिति, जयपुर	10000	तमाशा में प्रशिक्षण के लिए	
2.	रसधारा सांस्कृतिक संगठन, भीलवाड़ा	10000	बाल कार्यशाला और नाटक के लिए	
3.	संगीत कला केंद्र, भीलवाड़ा	8000	गैर-नृत्य में बच्चों के प्रशिक्षण के लिए	
4.	महाराणा कुंभ संगीत परिषद, उदयपुर	10000	37 वाँ महाराणा कुंभ संगीत समारोह के लिए	
तमिलनाडु				
1.	पुरिसई दुरैस्वामी कन्नपा तम्बीरन परमबराई तेरूकूतू मनरम, टी.एस. जिला	15000	कूतू प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए	
2.	कूतू-पी-पत्तराई, चैन्नई	10000	नए अप्पावुम पिल्लायम (फादर एंड सन) की प्रस्तुति के लिए	
3.	श्री लक्ष्मी नरसिम्हा भागवत मेला भक्त समाजम, तंजावूर जिला	20000	भागवत मेला प्रदर्शनों के लिए	
4.	श्री लक्ष्मी नरसिम्हा जयंती भागवत मेला नाट्य नाटक संगम, तंजावूर, जिला	20000	वार्षिक भागवत मेला नाटक उत्सव के लिए	
5.	वेल्वी, मदुरै	20000	रंगमंच उत्सव और संगोष्ठी के लिए	
6.	तमिलनाडु कत्ताईकुत्तू कलाई वालरक्की मुनेत्र संगम, कांचीपुरम	10000	रंगमंच उत्सव के लिए	
7.	पुरिसई राघव थाम्बीरन परमबरै थेरूकुतू मंदरम, टी. वी. मलै जिला	15000	थेरूकुतू इदुम्बिब मैरिज के क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए	
8.	नैलई संगीत सभा, तिरूनेलवेली	15000	प्रशिक्षण कक्षाओं के संचालन और समागृह उपस्कारों की खरीद के लिए	
9.	पोल्लाची थामीजिसई संगम, कोयम्बतूर	10000	संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में मनोरंजन प्रदान करने के लिए	
10.	चिदम्बरम ट्रस्ट, चैन्नई	20000	वाद्य-यंत्रों की खरीद के लिए	
11.	मेलात्तूर भागवत मेला नाट्य विद्या संगम, तंजावूर	20000	वार्षिक भागवत मेला के लिए	
12.	मद्रास यूथ कोयर, चैन्नई	20000	समवेत संगीत प्रदर्शन और संगीत कार्यशाला के संचालन के लिए	
13.	श्री तीर्थ नारायण स्वामीगल आराधना सेलिब्रेशन कमेटी, तंजावूर	15000	तरंगम् में प्रशिक्षण के लिए	
14.	श्री त्यागब्रहम महोत्सव सभा, तंजावूर	30000	वार्षिक आराधना उत्सव मनाने के लिए	
15.	हंसध्वनि, चैन्नई	10000	संगीत उत्सव प्रस्तुत करने के लिए	
16.	कल्चरल अकादेमी फार रूरल डवलपमेंट, कन्याकुमारी जिला	10000	युवा महिलाओं को संगीत में कार्योन्मुख प्रशिक्षण देने के लिए	
17.	श्री जय गणेश तालवाद्य विद्यालय, चैन्नई	20000	वाद्य-यंत्र बनाने के प्रशिक्षण के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
त्रिपुरा				
1.	कल्चरल केम्पेन, काबीगुरू पार्क	10000	"आकाश" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
2.	तियारी ड्रामा एंड कल्चरल सेंटर, अगरतला	10000	"कुचक खेरेंगबर" की प्रस्तुति के लिए	
3.	रूपम नाट्य गोष्ठी, अगरतला	15000	नाटक उत्सव आयोजित करने के लिए	
4.	त्रिपुरा रबींद्र परिषद, अगरतला	10000	अगरतला में रबींद्र संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
5.	संगीत कला केंद्र, उत्तरी त्रिपुरा	12000	संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
उत्तर प्रदेश				
1.	साक्षात्कार, इलाहाबाद	10000	बाल रंगमंच कार्यशाला और "अनहारा कौन" की प्रस्तुति के लिए	
2.	अभिनव, इलाहाबाद	10000	"बंटवारे की आग" की प्रस्तुति के लिए	
3.	आकांक्षा थिएटर आर्ट्स, लखनऊ	10000	नए नाटक की प्रस्तुति के लिए	
4.	साधना संस्कृति प्रतिष्ठान, साहिबाबाद	15000	नए नाटक "ब्राह्मण की बेटी" की प्रस्तुति के लिए	
5.	जागृति कला संगम, मथुरा	12000	नए नाटक "चित्तौढ़ का शेर" की प्रस्तुति के लिए	
6.	रंगयात्रा, लखनऊ	10000	निर्देशनोन्मुख कार्यशाला के लिए	
7.	दर्पण, कानपुर	150000	"नौटंकी" नई प्रस्तुति के लिए	
8.	मुक्ताकाश नाट्य संस्थान, मेरठ	15000	"रोशनी शेष है" नाटक की प्रस्तुति के लिए	
9.	माध्यम नाट्य संस्थान, गाजीपुर	12000	नए नाटक "गंधार" की प्रस्तुति के लिए	
10.	दर्पण, लखनऊ	15000	नए नाटक "तीसरा मचान" की प्रस्तुति के लिए	
11.	वातायन, उरई	10000	बुंदेलखंडी उत्सव आयोजित करने के लिए (प्रलेखित सामग्री की प्रति प्रस्तुत की जाए)	
12.	महाराजा बनारस विद्या मंदिर, वाराणसी	25000	फरवरी, 2000 में 26वाँ अखिल भारतीय ध्रुपद मेला आयोजित करने के लिए	
13.	स्वर संगम, हल्द्वानी	12000	संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
14.	एकता, इलाहाबाद	5000	बाल संगीत कार्यशाला के लिए	
15.	आल्हा समिति, सुल्तानपुर	10000	आल्हा समारोह आयोजित करने के लिए (कलाकारों के नाम अकादमी से अनुमोदित होने के अध्यधीन)	
16.	श्री स्वामी हरिदास सेवा संस्थान, मथुरा	15000	ध्रुपद महोत्सव के लिए	
पश्चिमी बंगाम				
1.	गंधर्व, कोलकता	10000	नए नाटक, "हरिपद" की प्रस्तुति के लिए	
2.	सुद्रक, कोलकता	10000	नए नाटक "स्वप्न" की प्रस्तुति के लिए	
3.	नाट्य शोध संस्थान, कोलकता	20000	मुद्रित सामग्री और फोटोग्राफों के परिरक्षण के लिए	

क्र. सं.	संस्था का नाम	राशि	प्रयोजन	टिप्पणी
4.	इंडियन माइम थिएटर, कोलकता	10000	मूकाभिनय में प्रशिक्षण के लिए	
5.	अन्य थिएटर, कोलकता	10000	इलोक्ट्रानिक उपस्करों की खरीद के लिए	
6.	शिशु रूपम, हावड़ा	10000	नए बाल नाटक की प्रस्तुति के लिए	
7.	पदातिक, कोलकता	15000	ताल पर कार्यशाला के लिए	
8.	जन संस्कृति, 24-परगना	10000	ग्रामीण क्षेत्रों में रंगमंच कार्यशाला के लिए	
9.	रंगकर्मी, कोलकता	20000	नए नाटक "राधा कथा" की प्रस्तुति के लिए	
10.	पदाबोली, कोलकता	10000	मूकाभिनय प्रस्तुति के लिए	
11.	मैतेई जगोई, कोलकता	10000	नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
12.	लोकायत संस्कृति परिषद, मिदनापुर	12000	वार्षिक उत्सव, जनजाति और छऊ नृत्य के लिए	
13.	उदय शंकर इंडिया कल्चर सेंटर, कोलकता	10000	नए नृत्य की प्रस्तुति के लिए	
14.	अंजिका, कोलकता	12000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
15.	ओडिसी विज़न एंड मूवमेंट सेंटर, कोलकता	15000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
16.	संस्कृति श्रेयस्कर, कोलकता	10000	कथक शैली में प्रस्तुति के लिए (नई नृत्यकला के लिए)	
17.	उपासना सेंटर फार डांस, कोलकता	10000	कथक नृत्य में प्रशिक्षण के लिए	
18.	भोरभारा, कोलकता	15000	सिकोसेर संघाने के प्रलेखन के लिए	
19.	कलकत्ता स्कूल ऑफ म्यूजिक, कोलकता	10000	ध्रुपद, ख्याल और ठुमरी कार्यशाला के लिए	
20.	नगेंद्र संगीत महाविद्यालय, नादिया	12000	संगीत में प्रशिक्षण के लिए	
21.	मणिपुरी नर्तनालय, कोलकता	15000	प्रयोजन विचाराधीन	

वर्ष 1999-2000 के दौरान जारी विवेकानुदान — परिशिष्ट-8

क्र. सं.	व्यक्ति का नाम	प्रयोजन	राशि (रूपयों में)
1.	श्री बर्मन लाल, मध्य प्रदेश	वित्तीय राहत के लिए	15000
2.	श्री पी. वी. सुब्रहमणियम (सुब्बुदू) दिल्ली	चिकित्सा व्यय के लिए	15000
3.	श्री वी. जी. जोग, कलकत्ता	चिकित्सा व्यय के लिए	50000
4.	श्री आर. के. प्रियगोपाल, नई दिल्ली	चिकित्सा व्यय के लिए	30000
5.	उस्ताद नासिर अमिनुद्दीन डागर, कलकत्ता	चिकित्सा व्यय के लिए	40000

वर्ष 1999-2000 के दौरान पुतुल दलों / संस्थाओं को स्वीकृत अनुदान — परिशिष्ट-9

क्र. सं.	संस्थान का नाम	राशि (रू. में)	प्रयोजन
असम			
1.	असम पपेट थिएटर, नलबारी	12000	नए पुतुलों के पुनः निमार्ण के लिए
कर्नाटक			
2.	श्री रमंजनेय तोगालू बोम्बे मेला, काउल बाज़ार, बेल्लारी	10000	विवरण प्राप्त किए जाने हैं।
3.	उपिनकुद्रू श्री देवन्ना पद्मनाभ कामथ मेमोरियल यक्षगान गोम्बियाआट्टा ट्रस्ट, उदूपी	10000	नए पुतुल नाटक "नरकासुर वध" की प्रस्तुति के लिए
केरल			
4.	नटान कैराली इरिंजलकुडा	15000	पवाकथकली (पुतुल) में "बालीविजय" की प्रस्तुति के लिए
उड़ीसा			
5.	रावण छाया नाट्य संसद, अंगुल	12000	रावण छाया में प्रशिक्षण के लिए
पांडिचेरी			
6.	करई रमण क्रिएशंस, करइकल	12000	पुतुल नाटक "नौथानरधा शिवशक्ति" की प्रस्तुति के लिए
पश्चिमी बंगाल			
7.	कलकत्ता पपेट थिएटर, कोलकता	20000	पुतुल प्रदर्शन के लिए ध्वनि उपस्कारों की खरीद के लिए
8.	इंडियन पपेट थिएटर, कोलकता	10000	पुतुल नाटक "छत्रपति शिवाजी" की प्रस्तुति के लिए

प्रदर्शन कलाओं के अनुसंधानकर्ताओं को प्रदत्त परियोजना अनुदान की योजना — परिशिष्ट-10

1.	श्रीमती जय श्री बनर्जी	37500/-
2.	डॉ. (श्रीमती) हेलेन गिरि	8750/-
3.	डॉ. चेताऊ करमाणी	5000/-
4.	श्री भूपेंदर सिंह जानोवाल	6250/-
5.	श्रीमती बनश्री राव	17180/-
6.	श्री नंद लाल	8750/-
7.	श्रीमती राई नारायण	10000/-
8.	श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल	12500/-

संगीत नाटक अकादेमी
पुरस्कार

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS

गुरू के. पी. किटट्प्पा पिल्लै
Guru K. P. Kittappa Pillai

बिर्जू महाराज
Briju Maharaj

पुट्टाराज गवाईगलु
Puttaraj Gavaigalu

भीमसेन जोशी
Bhimsen Joshi

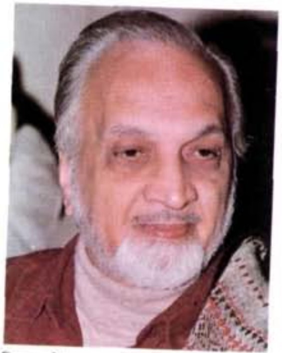

विजय तेंदुलकर
Vijay Tendulkar

परवीन सुल्ताना खान
Parveen Sultana Khan

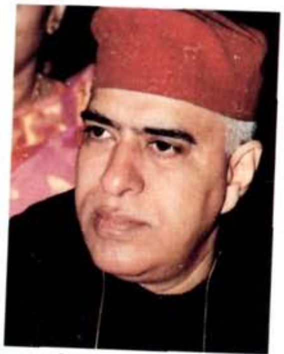

राजन मिश्र
Rajan Misra

साजन मिश्र
Sajan Misra

रंगनायकी राजगोपालन
Ranganayaki Rajagopalan

सुन्दर लाल सत्यनारायण गंगानी
S. Satyanarayan Gangani

पंढरीनाथ गंगाधर नागेश्कर
P. Gangadhar Nageshkar

एम. एस. अनन्तरामन
M. S. Anantharaman

कोट्टक्कल शिवरामन
Kottakkal Sivaraman

बी. वी. रामन
B. V. Raman

विश्व मोहन भट्ट
Vishwa Mohan Bhatt

एन. माधवी देवी
N. Madhabi Devi

कारैकुडी आर. मणी
Karaikudi R. Mani

लक्ष्मी विश्वनाथन
Lakshmi Vishwanathan

जयराम राव
Jayaram Rao

बनश्री राव
Banashree Rao

दुलाल रॉय
Dulal Roy

पूर्ण चन्द्र दास
Purna Chandra Das

क्षेमावती पवित्रन्
Keshemavathy Pavithran

उषा गांगुली
Usha Ganguli

गुलाम मुहम्मद साज़नवाज़
G. M. Saznawaz

सौमित्र चटर्जी
Soumitra Chatterjee

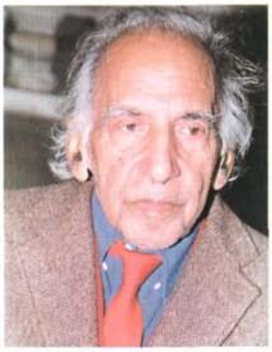

बलवंत गार्गी
Balwant Gargi

नोकोत ख्रियम
Nokot Kriam

आमाल अलाना
Amal Allana

प्रदीप चलिहा
Pradeep Chaliha

कोल्हा चरन साहू
Kolhacharan Sahoo

गणतंत्र महोत्सव, शिलांग - मेघालय के राज्यपाल श्री एन. एन. जेकब द्वारा 29 फरवरी, 2000 को उद्घाटन
Ganatantra Mahotsav, Shillong — inauguration by Shri N. N. Jacob, Governor of Meghalaya, on 29 February 2000

वार्षिक नोगंक्रेम उत्सव, मेघालय
Annual Nongkrem Festival, Meghalaya

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का जनजातीय नृत्य
Tribal dance of Andaman & Nicobar Islands

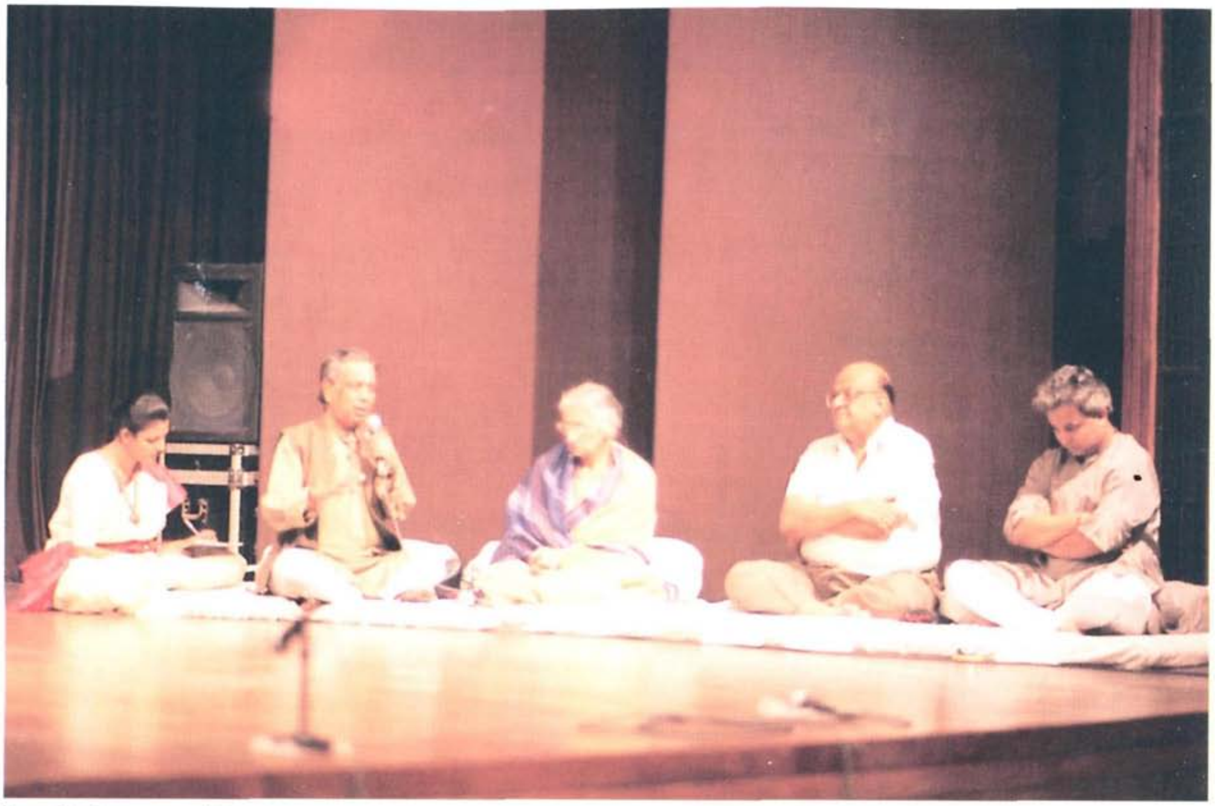

विचार-विमर्श सत्र, न त्य प्रतिभा
Interaction session, Nritya Pratibha

सत्रिया न त्य, गणतंत्र महोत्सव, गुवाहाटी
Sattriya dance, Ganatantra Mahotsava, Guwahati

सत्रिया नृत्य पर सेमिनार
Seminar on Sattriya dance

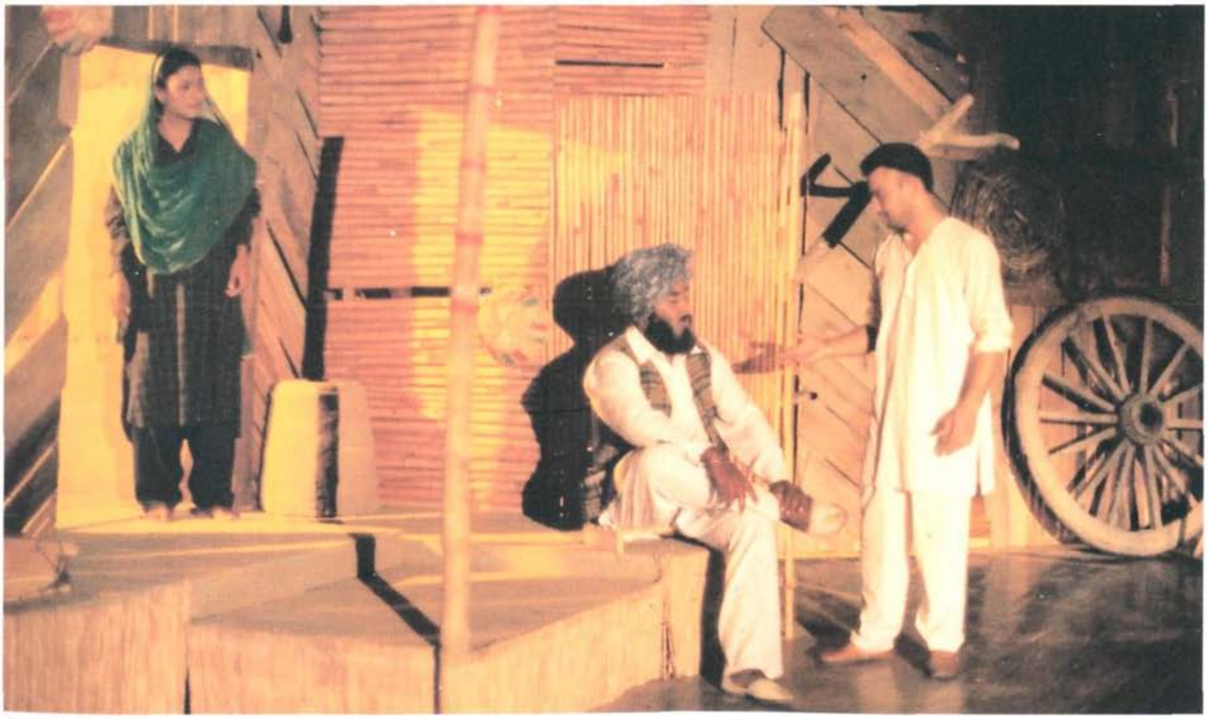

ढोल सिपाही, केवल धालीवाल द्वारा निर्देशित
Dhol Sipahi, directed by Kewal Dhaliwal

कवि नजरूल इस्लाम के शताब्दी समारोह का उद्घाटन
Inauguration of centenary celebrations of poet Nazrul Islam

ताल वाद्य कचरी, गणतन्त्र महोत्सव, अगरतला
Tala Vadya Kacheri, Ganatantra Mahotsava, Agartala

गुरू किट्टप्पा पिल्लै को श्रद्धांजली : यामिनी कृष्णामूर्ति माइक पर
Homage to Guru Kittappa Pillai : Yamini Krishnamurti at the mike

रूदाली उषा गांगुली द्वारा निर्देशित
Rudali, directed by Usha Ganguly

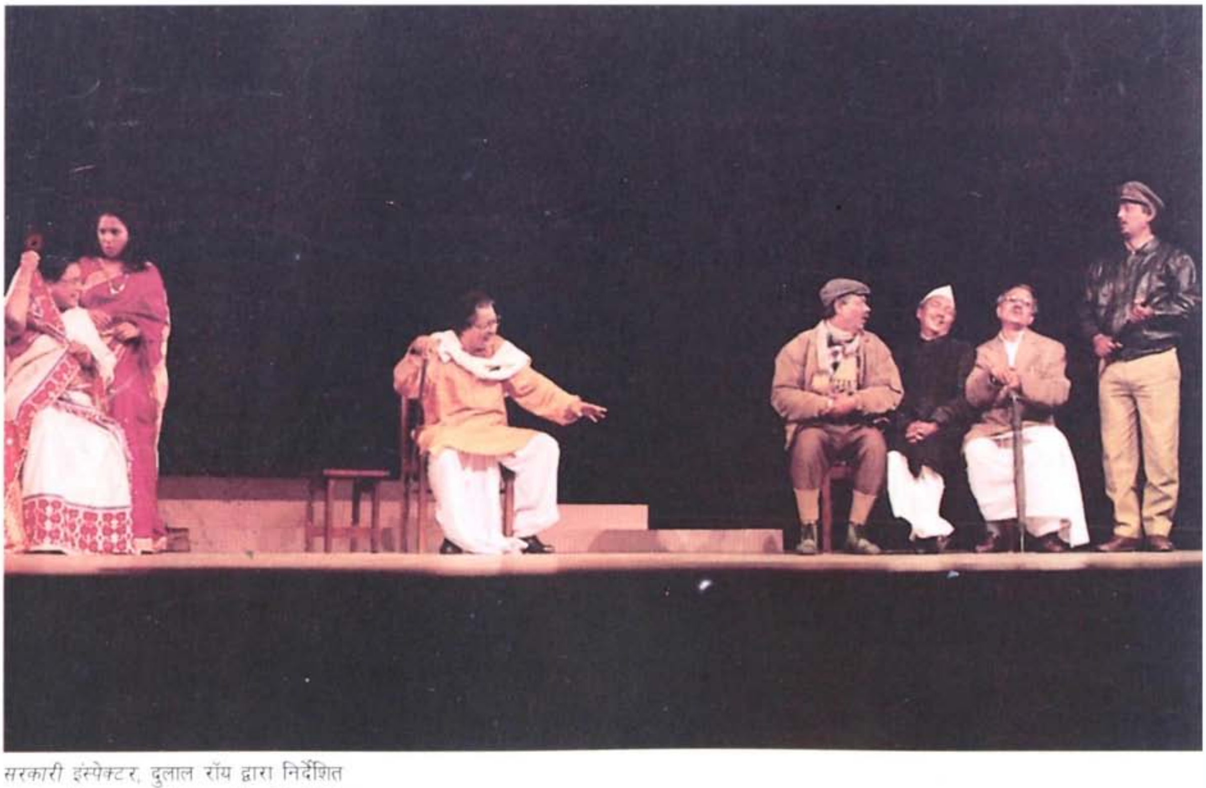

सरकारी इंस्पेक्टर, दुलाल रॉय द्वारा निर्देशित
Sarkari Inspector, directed by Dulal Roy

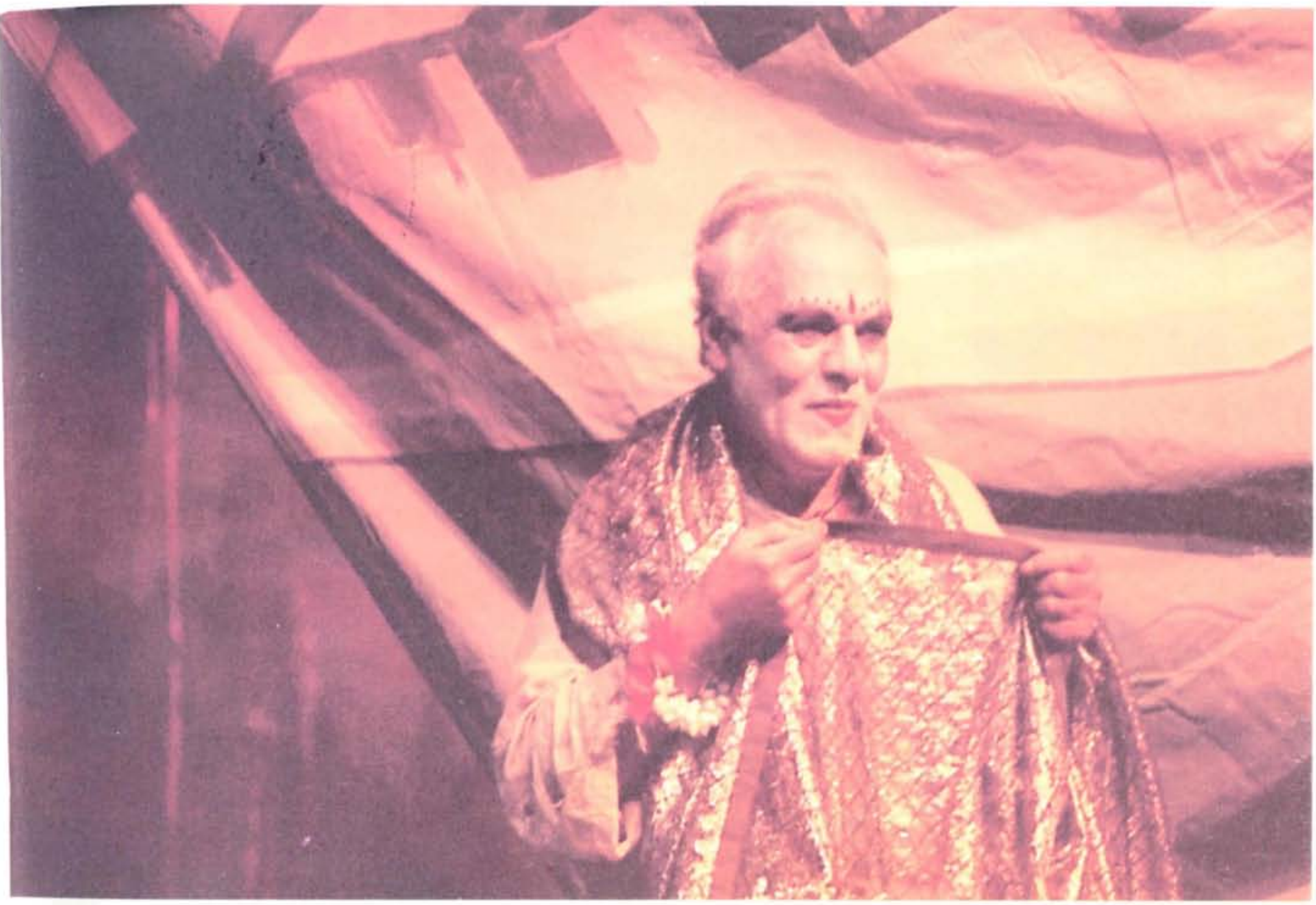

अमाल अल्लाना द्वारा निर्देशित *बेगम बर्वे* में मनोहर सिंह
Manohar Singh in *Begum Barve*, directed by Amal Allana

स्मृति में
IN MEMORIAM

आसा सिंह मस्ताना
Asa Singh Mastana

के. पी. किटट्प्पा पिल्लै
K. P. Kittappa Pillai

गुरु बिपिन सिंह
Guru Bipin Singh

शेख चिन्ना मौलाना
Sheikh Chinna Maulana

रघुनाथ प्रसन्ना
Raghunath Prasanna

हनुमान प्रसाद मिश्रा
Hanuman Prasad Mishra

अहमद रजा खान
Ahmed Raza Khan

के. कल्याणीकुट्टी अम्मा
K. Kalyanikutty Amma

फिदा हुसैन
Fida Hussain

शांतिदेव घोष
Shantidev Ghosh

उस्ताद अल्ला रक्खा
Ustad Alla Rakha